सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 313 | जौनपुर, शुक्रवार, 09 अगस्त 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

रक्षाबंधन पर महिलाओं का बसों में सफर फ्री

लखनऊ, संवाददाता। सीएम योगी ने 19 अगस्त को पड़ने वाले रक्षाबंधन पर प्रदेश भर की बहनों को तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में जोन, मंडल, रेंज व जिला स्तर के महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारियों के साथ प्रदेश के कानून– व्यवस्था तथा लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि 18 अगस्त की रात्रि से 19 अगस्त की रात्रि तक राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस संबंध में सभी आवश्यक प्रबंध समय से कर लिए जाने चाहिए। सीएम ने कहा कि आगामी दिनों में नागपंचमी, श्रावण सोमवार, काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ, रक्षाबंधन, चेहल्लुम और जन्माष्टमी जैसे पर्व–त्योहार हैं, साथ ही पुलिस भर्ती परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी संपन्न हो रहे हैं। निश्चित रूप से यह समय कानून–व्यवस्था की दृष्टि से यह संवेदनशील समय है। हर जिले की पुलिस और स्थानीय प्रशासन को 24X7 अलर्ट रहना होगा।

प्रदेश के 23 बस स्टेशन आधुनिक टर्मिनलों को रूप में होंगे विकसित

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा 23 प्रमुख बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें से 11 बस स्टेशनों के लिए फर्म अनुबंधित कर दी गई है। शेष 12 बस स्टेशनों के लिए मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के बाद अनुबंध किए जाएंगे। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि गाजियाबाद, आगरा, प्रयागराज, लखनऊ, मेरठ, अलीगढ़, गोरखपुर, अयोध्याधाम, बुलंदशहर, बरेली, रायबरेली, मिर्जापुर, वाराणसी, कानपुर, मथुरा एवं हापुड़ के जिलाधिकारियों को पीपीपी मॉडल पर बनने वाले 23 बस स्टेशनों को विकसित कराये जाने के लिए निर्माण अवधि में बसों के संचालन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए हैं। पीपीपी मॉडल पर निर्मित होने वाले इन बस स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुविधा, रिटेल आउटलेट्स, मल्टीप्लेक्स इत्यादि की सुविधाएं उपलब्ध होगी, जिससे लोगों को बस स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। रोडवेज अफसरों की मनमानी का आलम यह है कि दस सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक(वित्त) के ट्रांसफर हुए, जिसमें नौ अपनी पुरानी सीटों पर ही डटे हैं। तैनाती स्थल छोड़ने को तैयार नहीं हैं। तबादला वापस लेने के लिए प्रबंध निदेशक से गुहार लगा रहे हैं। उनके आदेश जारी होने के बाद नई तैनाती लेने को कहा।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ा दी। उन्हें तिहाड़ जेल से वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से उपजे भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी उचित कारण के की गई। उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक की जमानत याचिका को निस्तारित कर दिया और उन्हें राहत के लिए अधीनस्थ अदालत में जाने की छूट प्रदान की। उच्च न्यायालय ने सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर 17 जुलाई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने केजरीवाल और केंद्रीय एजेंसी के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद 29 जुलाई को 'आप' नेता की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था, जहां वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन के एक मामले में न्यायिक हिरासत में बंद थे। मुख्यमंत्री को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था और धन शोधन मामले में निचली अदालत ने 20 जून को उन्हें जमानत दे दी थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी थी। उच्चतम न्यायालय ने 12 जुलाई को उन्हें धन शोधन मामले में अंतरिम जमानत दे दी थी।

युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ेगा मुख्यमंती युवा उद्यमी विकास अभियान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024–25 के मूल बजट में सरकार ने श्मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियानश का प्रावधान किया था, अब समय आ गया है कि इस पर क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया जाए। अभियान के संबंध में एमएसएमई विभाग के प्रस्तुतिकरण का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना स्वरोजगार सृजन के प्रयासों में बड़ी भूमिका निभाने वाली होगी।

योजना के बारे में अधिकाधिक युवाओं को अवगत कराया जाए ताकि युवा प्रोत्साहित हों और आत्मनिर्भर होकर अपनी आजीविका कमा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव, एमएसएमई ने मुख्यमंत्री को बताया कि अभियान के तहत प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं को बैंकों से ऋण दिलाकर वित्तीय अनुदान दिया जाएगा, जिससे प्रतिवर्ष 01 लाख सूक्ष्म उद्यम प्रतिवर्ष स्थापित हो सकेंगे। इस प्रकार आगामी 10 वर्षों में 10 लाख (एक मिलियन) युवा स्वरोजगार से जुड़ सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के तहत सामान्य वर्ग के अलावा, ओबीसी, महिला, दिव्यांगजन तथा एससी, एसटी के पुरुष के अलावा महिलाओं को उद्यम स्थापित करने पर अनुदान देने का प्रावधान हो, साथ ही, मार्जिन मनी पर भी सब्सिडी दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा उद्यमियों को यथासंभव ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध हो, इसके लिए एक तय अवधि तक ऋण के ब्याज उपादान और सीजीटीएमएसई कवरेज की सुविधा भी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के सही क्रियान्वयन और सतत मॉनीटरिंग के लिए आकांक्षात्मक विकास खंडों में तैनात सीएम फेलो की तर्ज पर यहां भी हर जिले में योग्य युवाओं की तैनाती की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तपोषण से पहले युवाओं को विधिवत प्रशिक्षण भी दिलाया जाना चाहिए।

वक्फ कानूर को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष की भारी आपत्ति के बीच केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयकलोकसभा में पेश किया। बाद में इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने की अनुशंसा की गई। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, ''मैं सभी दलों के नेताओं से बात करके इस संयुक्त संसदीय समिति का गठन करुंगा।'' रिजिजू ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक का उद्देश्य किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करना नहीं है और संविधान के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया गया है। लोकसभा में विधेयक पेश किए जाने पर कई विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाई गई आपत्तियों का जवाब देते हुए उन्होंने

कहा कि वक्फ अधिनियम 1995 अपने उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर पाया, इसलिए संशोधन की योजना बनाई गई। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के दो प्रमुख घटक दलों जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगू देसम पार्टी (तेदेपा) ने विधेयक का समर्थन किया, हालांकि, तेदेपा ने इसे संसदीय समिति के पास भेजने की पैरवी की। विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि विधेयक में किसी धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, ''वक्फ संशोधन पहली बार सदन में पेश नहीं किया गया है। आजादी के बाद सबसे पहले 1954 में यह विधेयक लाया गया। इसके बाद कई संशोधन किए गए।'' रीजीजू ने कहा कि व्यापक स्तर पर विचार–विमर्श के बाद यह संशोधन विधेयक लाया गया है जिससे मुस्लिम महिलाओं और बच्चों का कल्याण होगा। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय बनी सच्चर समिति और एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का उल्लेख किया और कहा कि इनकी सिफारिशों के आधार पर यह विधेयक लाया गया। विपक्षी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान और संघवाद पर हमला है तथा अल्प संख्यकों के खिलाफ है।

पीएम मोदी जाएंगे वायनाड, हवाई यात्रा के जरिए लेंगे जायजा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को वायनाड का दौरा करेंगे। उनसे उस तबाही का हवाई सर्वेक्षण करने की उम्मीद है जिसमें 300 से अधिक लोगों की जान चली गई। स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, एक सप्ताह से अधिक समय पहले उत्तरी केरल जिले में हुए भारी भूस्खलन के बाद 138 लोग अभी भी लापता हैं। भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों से लापता लोगों की तलाश अभी भी जारी है और सेना और नौसेना सहित विभिन्न बलों के 1,026 कर्मी, 500 से अधिक स्वयंसेवक और भारी मशीनरी वहां तैनात की गई है। केरल सरकार ने कहा कि 30 जुलाई को वायनाड जिले में हुए भीषण भूस्खलन के बाद लापता हुए लोगों की पूरी सूची जल्द ही जारी की जाएगी। सरकार की ओर से लापता लोगों की सटीक सूची तैयार की जा रही है।

वायनाड आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार से केरल के वायनाड में हालिया आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का आह्वान किया। शून्यकाल के दौरान बोलते हुए, गांधी ने प्रभावित लोगों के लिए उच्च मुआवजे की भी मांग की। वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ष्मैंने इसे अपनी आँखों से देखा। मैंने कई अलग–अलग स्थानों का दौरा किया जहां आपदा हुई थी। कुछ मामलों में, एक पूरा परिवार चला गया है, केवल एक व्यक्ति बचा है , कभी–कभी कोई वयस्क या बच्चा। उन्होंने आपदा के दौरान मदद करने वालों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। गांधी ने कहा कि 200 से अधिक लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लापता होने के कारण, मरने वालों की अंतिम संख्या 400 से अधिक हो सकती है।

जम्मू–कश्मीर दौरे पर चुनाव आयोग की टीम, विधानसभा चुनाव की तैयारियों की होगी समीक्षा

जम्मू–कश्मीर, एजेसी। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की एक टीम गुरुवार को जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए राजनीतिक दलों के साथ बैठक करेगी। बैठक कुछ ही

देर में शुरू होगी, जब राजनेता श्रीनगर के शेर–ए–कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में आना शुरू करेंगे। चुनाव अधिकारियों ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले राजनीतिक दलों से फीडबैक मांगा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में टीम आज सुबह यहां पहुंची और शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगी। अधिकारियों ने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), भाजपा, कांग्रेस और जम्मू–कश्मीर पैंथर्स पार्टी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि चुनाव आयोग की टीम से मिलने एसकेआईसीसी पहुंचे। उन्होंने बताया कि जम्मू–कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी के पोल समेत पुलिस और नागरिक प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी एसकेआईसीसी पहुंचे। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में टीम आज सुबह श्रीनगर पहुंची। जम्मू–कश्मीर चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों को पत्र जारी कर उन्हें चुनाव आयोग के साथ बैठक के लिए आमंत्रित किया था। राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग के साथ बैठक के लिए समय दिया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने न्यूजीलैंड के पीएम से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति तीन देशों की यात्रा के दूसरे में चरण में न्यूजीलैंड में हैं। आज उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की और दोनों देशों की साझेदारी और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री से क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई, खासतौर पर शिक्षा, व्यापार और संस्कृति के क्षेत्र में। इससे पहले मुर्मू ने न्यूजीलैंड के गवर्नर डेम सिंडी किरो और उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। पीटर्स न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री भी हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, दोनों नेताओं ने द्विपक्षी संबंधों में प्रगति की बात को माना और कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों

पर विचार–विमर्श किया। मुर्मू ने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को भी संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने शिक्षा की बदलवाकारी ताकत के बारे में बात की। इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने कहा था कि न्यूजीलैंड पहुंचने पर विदेश मामलों के मंत्री टॉड मैक्ले और भारतीय उच्चायुक्त नीता भूषण ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मैकक्ले ने कहा कि न्यूजीलैंड में राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत करना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, यह यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को गहरा व मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, शिक्षा हमेशा मेरे दिल के करीब रही है। मैंने प्रत्यक्ष रूप से शिक्षा की बदलावकारी ताकत को देखा और अनुभव किया है।

शिक्षा केवल एक निजी प्रयास नहीं है। बल्कि सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण का एक जरिया भी है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत में शिक्षा प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आठ साल बाद न्यूजीलैंड में किसी भारतीय राष्ट्रपति की यात्रारू मूर्मू की न्यूजीलैंड यात्रा आठ साल बाद हो रही है। मुर्मू ऑकलैंड में एक सामुदायिक स्वागत समारोह में भी शामिल होंगी, जहां वह भारतीय प्रवासियों और फ्रेंड्स ऑफ इंडिया के साथ बातचीत करेंगी।

लगातार बदल रही बांग्लादेश में स्थिति, भारत को उम्मीद, जल्द बहाल होगी कानून और व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में होने की खबरों को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने साफ तौर पर बताया कि शॉर्ट नोटिस पर शेख हसीना भारत पहुंची थीं। ऐसे में फिलहाल इससे ज्यादा जानकारी अभी नहीं दी जा सकते। अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर देश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी नजर है। विदेश मंत्री ने इस पर संसद में भी बयान दिया है। हम लगातार इसको लेकर कई कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम बांग्लादेश में जल्द से जल्द कानून व्यवस्था दुरुस्त होने की कामना करते हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि हर सरकार की जिम्मेदारी है कि अपने लोगों का ध्यान रखें। उनके हित में काम करें। लेकिन कितनी क्षति हुई

है इसकी जानकारी या आंकड़े हमारे पास नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों की सुरक्षा को लेकर हमारे वहां के अधिकारियों से बातचीत चल रही है। हम अपने लोगों का ध्यान भी रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति बदल रही है। खबर है कि आज शाम को अंतरिम सरकार का शपथग्रहण होगा। एक बार जब ये सब हो जाएगा, तो मैं एक बात पर जोर देना चाहूंगा कि भारत सरकार और भारत के लोगों के लिए बांग्लादेश के लोगों का हित सर्वोपरि है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस मुद्दे को विदेश मंत्री ने अपने स्वप्रेरणा वक्तव्य में संबोधित किया था। हम अल्पसंख्यकों की स्थिति के बारे में भी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। ऐसी भी रिपोर्टें हैं कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए समूहों और संगठनों द्वारा विभिन्न पहल की गई हैं। उन्होंने कहा कि मैं संसद में विदेश मंत्री द्वारा कही गई बात को दोहराना चाहूंगा, हम इन कदमों का स्वागत करते हैं।

वक्फ बोर्ड कानून पर गुमराह कर रहा विपक्ष – रिजिजू

नई दिल्ली, एजेसी। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि वक्फ अधिनियम 1995 अपने उद्देश्य की पूर्ति में सफल नहीं रहा, हम कांग्रेस को बताना चाहते हैं कि ये संशोधन उन कार्यों को पूरा करने के लिए लाए जा रहे हैं जो आप नहीं कर सके। संयुक्त संसदीय समिति ने सिफारिश की थी कि वक्फ अधिनियम 1995 का फिर से अध्ययन होना चाहिए, विपक्ष राजनीति के लिए इसका विरोध कर रहा है। किरेन रिजिजू ने आगे कहा कि इस विधेयक से किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। किसी के अधिकार छीनने की बात तो भूल ही जाइए, यह विधेयक उन लोगों को अधिकार देने के लिए लाया गया है जिन्हें कभी अधिकार नहीं मिले। उन्होंने

कहा कि आज जो विधेयक लाया जा रहा है, वह सच्चर समिति की रिपोर्ट (जिसमें सुधार की बात कही गई थी) पर आधारित है, जिसे आपने (कांग्रेस ने) बनाया था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे (विपक्ष) मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कल रात तक मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल मेरे पास आए...कई सांसदों ने मुझे बताया है कि माफिया ने वक्फ बोर्डों पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि कुछ सांसदों ने कहा है कि वे व्यक्तिगत रूप से इस विधेयक का समर्थन करते हैं।

संपादकीय

केदारनाथ यात्रा और प्राकृतिक आपदा

भारत के हालिया इतिहास की सबसे भयंकर मानसूनी आपदाओं में से एक सन् 2013 की केदारनाथ आपदा के घाव अभी भरे भी नहीं और 31 जुलाई 2024 को लगभग वैसे ही हालात बादल फटने, भूस्खलन और त्वरित बाढ़ ने पैदा कर दिए। केदारधाम और घाटी में फंसे 15 हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, और वायएमएफ सहित थल और वायुसेना के साझा बचाव अभियान के तहत सुरक्षित निकाला जा सका। तीन यात्रियों के शव भी मलबे में बरामद हुए हैं। इन हालात को देखते हुए सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि हमने 2013 की केदारनाथ आपदा से क्या और कितना सीखा? यही सवाल हाल की वायनाड भूस्खलन त्रासदी से उठ रहा है और इसी तरह के मिलते–जुलते सवाल देश में अन्यत्र मुंह बाए खड़े हैं। विशेषज्ञों की चेतावनियों के अनुसार आपदाओं की क्षेत्र विशेष में पुनरावृति हो रही हैं और योजनाकार तथा नीति नियंता अपनी ही धुन में मशगूल हैं।

वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी भी संकट का एक कारण

आबादी की जरूरतों को पूरा करने और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए विकास की अत्यन्त आवश्यकता है और हर सरकार अपने नागरिकों के लिए यही प्रयास करती भी है। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं कि हम प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ कर दें कि अपने ही नागरिकों को जान के लाले पड़ जाएं। जैसे कि अभी केदार घाटी में हो रहा है और फरवरी 2021 में उच्च हिमालयी क्षेत्र नीति घाटी में धौलीगंगा और ऋषि गंगा की बाढ़ में हो गया। इन आपदाओं के लिए हर बार वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के सुझावों और चेतावनियों की अनदेखी को जिम्मेदार माना जा सकता है। आज धंसते हुए, जोशीमठ की भविष्यवाणी 1975 में मिश्रा कमेटी ने कर दी थी। लगता है कि हमारे नीति नियंताओं और शासकों ने वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी करने की कसम खा रखी है।

उत्तराखण्ड और वायनाड में सच साबित हुई इसरो की चेतावनियां

भारतीय अन्तरिक्ष संगठन (इसरो) ने 2023 में देश के भूस्खलन संवेदनशील 147 जिलों का जोखिम मानचित्र तैयार किया था जिसमें सबसे ऊपर रुद्रप्रयाग जिले को रखा था जहां 31 जुलाइ को आयी आपदा के कारण इन दिनों हजारों तीर्थ यात्रियों की जानें संकट में फंसी रही या अब भी फंसी हैं। दूसरे नम्बर पर उत्तराखण्ड का ही टिहरी जिला अत्यंत जोखिम की श्रेणी में रखा गया था जहां गत 26 एवं 27 जुलाई की रात को भूस्खलन से तिनगढ़ गांव तबाह हो गया और मां–बेटी जिन्दा दफन हो गये। इसरो के जोखिम मानचित्र पर पश्चिमी घाट पर्वत श्रेणी से लगे केरल के वायनाड सहित सारे 14 जिले शामिल किये गये थे। वहां गाडगिल कमेटी के बाद कस्तूरीरंगन कमेटी ने खतरे की घंटी बजा दी थी जो कि सरकारों के कानों में नहीं गूंजी।

केदारघाटी के जलतंत्र और भूगोल से अनभिज्ञता

केदार घाटी की संवेदनशीलता इसरो के जोखिम मानचित्र के आईने में तो नजर आ ही रही है। लेकिन भारतीय भूगर्व सर्वेक्षण विभाग, उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र तथा गढ़वाल विश्व विद्यालय के भूवैज्ञानिकों ने केदार घाटी जो कि सबसे संवेदनशील है और जो एमसीटी के दायरे में आती है, तथा केदारनाथ धाम जो स्वयं एक मलबे के पर स्थित है, वहां भारी निर्माण की सख्त मनाही कर रखी है। लेकिन वहां फिर भी सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के नाम पर बहुत भारी निर्माण कर दिया गया जो कि अब भी जारी है। यही नहीं सन् 2013 में चोराबाड़ी ग्लेशियर पर बादल फटने और ग्लेशियल झील के टूटने के कारणों भयंकर अनदेखी की गई। दरअसल, हमारे योजनाकार ही नहीं बल्कि आपदा प्रबंधक भी जलतंत्र की अनदेखी करने की भयंकर भूल कर रहे हैं। हिमालय पर ऊपर चढ़ते समय वर्षा कम होती जाती है और स्थाई हिमाच्छादित क्षेत्र में बादल बारिस की जगह वर्फ बरसाते हैं। लेकिन 2013 में ऐसा नहीं हुआ जो कि जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट संकेत था। केदार घाटी बहुत तंग है और उसके अंत में 3,583 मीटर ऊंचा केदार पर्वत या केदार डोम है जिसे अलकनन्दा घाटी की ओर से चले बादल पार नहीं कर पाते हैं और वहीं बरस जाते हैं। तंग घाटी होने के कारण बादलों का वेग भी बहुत अधिक होता है जो कि अचानक पहाड़ से टकराकर बादल फटने की जैसी स्थितियां पैदा हो जाती है, इसलिए इस घाटी में निरन्तर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं होती रहती है।

आस्था की बाढ़ भी संकट का एक कारण

एक स्वेच्छिक संगठन की याचिका पर सुप्रीमकोर्ट ने 2018 में केदारनाथ की बेहद सीमित धारण क्षमता को अनुभव करते हुए वहां प्रतिदिन 5000 से कम यात्रियों को जाने की सीमा तय की थी। लेकिन यात्रियों के भारी दबाव को देखते हुए राज्य सरकार ने 2022 में बदरीनाथ के लिए 16 हजार, केदारनाथ के लिए 13 हजार, गंगोत्री के लिए 8 हजार और यमुनोत्री के लिए 5 हजार तय की।

सरकार पर यात्रियों से ज्यादा हितधारकों और राजनीतिक दबावों के चलते इस साल सीमा को बढ़ाकर बदरीनाथ के लिए प्रतिदिन 20 हजार, केदारनाथ 18 हजार, गंगोत्री 11 हजार और यमुनोत्री के लिए 9 हजार यात्री कर दिया गया।

इससे भी दबाव कम नहीं हुआ तो सरकार ने जून में सारी सीमाएं हटा दीं। उसका नतीजा यह हुआ कि 4 अगस्त 2024 तक केदारनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या 10,91,316 तक और बदरीनाथ जाने वालों की संख्या 8,88,494 तक पहुंच गई।

भू-राजनीतिक पेचीदगियों भी बेहद चुनौतीपूर्ण

आनंद

इसमें तनिक भर भी संदेह नहीं है कि शेख हसीना के नेतृत्व में दक्षिण एशिया में उभर रही राजनीतिक स्थिरता और क्षेत्रीय सहयोग कई देशों की आंखों में चुभ रहा था। भारत के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों ने न केवल विद्रोह और आतंकवाद से ग्रस्त क्षेत्र में व्यवस्था कायम की, साथ ही, आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा दिया। ऐसे परिदृश्य में जब वह इसी वर्ष जून से पहले बांग्लादेश पर मजबूती से नियंत्रण रखती दिखाई दी हों, तो उनके तख्तापलट में विदेशी भागीदारी के होने का संदेह जताया जाना, चौंकाता नहीं है। हसीना के तख्तापलट में विदेशी हस्तक्षेप की आशंका जताने वाले अक्सर अमेरिका को प्रमुख संदिग्ध के रूप में इंगित करते हैं। दरअसल, बांग्लादेश की आजादी से भी पहले वहां के एक सैन्य अड्डे पर अमेरिका की नजर है। इसके पुख्ता प्रमाण हैं कि पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के मुक्ति संग्राम के दौरान अमेरिका ने सेंट मार्टिंस द्वीप पर सैन्य अड्डा स्थापित करने की अनुमति के बदले पूर्वी पाकिस्तानी नेताओं को समर्थन की पेशकश की थी। यह बात दीगर है कि इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। लेकिन बांग्लादेश की आजादी के बाद भी अमेरिका इसके लिए प्रयास करता रहा। यह मुद्दा खासकर वरिष्ठ अमेरिकी सैन्य अधिकारियों की बांग्लादेश यात्रा के दौरान द्विपक्षीय यात्राओं में अक्सर उठता रहा। हाल ही में शेख हसीना ने भी खुलासा किया था कि अमेरिका के एक प्रतिनिधि ने बांग्लादेश में अमेरिकी सैन्य अड्डे के प्रस्ताव के साथ उनसे संपर्क किया था। हालांकि अपने राष्ट्रवादी रुख और अपने पिता शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को लेकर अपनी प्रतिबद्धता का हवाला देते हुए उन्होंने अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि वह सत्ता में बने रहने के लिए बांग्लादेश को नहीं बेचेंगी। इसके अतिरिक्त, अमेरिका बांग्लादेश को अपनी इंडो–पैसिफिक रणनीति में शामिल करने की भी कोशिश कर रहा है, जिसका लक्ष्य अमेरिका के साथ उसके रक्षा संबंधों को मजबूत करना और उसे सैन्य उपकरण बेचना है। बांग्लादेश ने अमेरिकी हथियारों में तो रुचि दिखाई, लेकिन उन्हें इंडो–पैसिफिक ढांचे के तहत खरीदने से इन्कार किया, क्योंकि उसे डर था कि इससे उसका प्राथमिक सैन्य आपूर्तिकर्ता चीन नाराज हो जाएगा। हसीना को सत्ता से बेदखल करने में एक और विदेशी शक्ति के शामिल होने का संदेह है और वह है चीन। बहुआयामी संबंधों के बावजूद भारत और बांग्लादेश की बढ़ती निकटता से चीन के असंतोष का बढ़ना छिपा नहीं है। कई रिपोर्ट तो यह खुलासा भी करती हैं कि चीन ने हसीना को सलाह दी थी कि वह अपनी चीन यात्रा से पहले भारत की यात्रा न करें। हालांकि हसीना ने चीन की सलाह को नजरअंदाज कर दिया था। चीन मुख्य रूप से अपनी बेल्ट ऐंड रोड पहल (बीआरआई) परियोजनाओं और देशों के साथ व्यक्तिगत सैन्य सहयोग के माध्यम से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने का इच्छुक रहा है। गौरतलब है कि चीन और भारत दोनों ने बांग्लादेश में तीस्ता नदी पर जल प्रबंधन परियोजना में रुचि जताई है। हालांकि अपनी भारत यात्रा के दौरान शेख हसीना ने यह पुष्टि की थी कि वह भारत के साथ संवेदनशील और राजनयिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को भारत को सौंपेंगी। दरअसल, बांग्लादेश की भविष्य की जल संबंधी जरूरतों के लिहाज से तीस्ता नदी के ऊपरी तटवर्ती देश के रूप में भारत का सहयोग महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, श्रीलंका के कर्ज संकट के बाद दक्षिण एशियाई देश चीन से कर्ज लेने में जो अतिरिक्त सावधानी बरतते हैं, उसने भी हसीना के निर्णय में बड़ी भूमिका निभाई।

जुलाई की अपनी चीन यात्रा के दौरान बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा

संकट को कम करने के लिए पांच अरब डॉलर के कर्ज को हासिल करने की हसीना की उम्मीदें तब धराशायी हो गईं, जब चीन ने महज दस करोड़ डॉलर की पेशकश की। यही नहीं, उन्हें अपेक्षित प्रोटोकॉल भी नहीं मिला। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें पर्याप्त समय तो नहीं ही दिया, चर्चा को आगे बढ़ाने का दायित्व भी प्रधानमंत्री ली केकियांग पर छोड़ दिया। निराश होकर हसीना को अपना दौरा छोटा करना पड़ा। चीन के इस तरह के व्यवहार से गहरी रणनीतिक गणनाओं के संकेत मिलते हैं, जो उनके तख्तापलट में चीन की भागीदारी के बारे में लगाए जा रहे अनुमानों को मजबूत आधार भी देते हैं। दक्षिण एशिया में चीन का सबसे करीबी रणनीतिक सहयोगी पाकिस्तान भी संदेह पैदा करता है। भारत और बांग्लादेश के मजबूत रिश्ते पाकिस्तान को हमेशा से ही नागवार गुजरे हैं। हसीना के कार्यकाल से पहले पाकिस्तान के आतंकी समूह बांग्लादेश में अपेक्षया ज्यादा आजादी के साथ काम करते थे। 2009 में हसीना द्वारा बांग्लादेश की सत्ता संभालने के बाद पाकिस्तान की आईएसआई ने बांग्लादेश राइफल्स के भीतर विद्रोह भड़का कर उनकी सरकार को अस्थिर बनाने का असफल प्रयास भी किया था। हालांकि हालिया छात्र विरोध प्रदर्शन ने हसीना के लिए अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दीं। बीएनपी के साथ ऐतिहासिक रूप से बांग्लादेश की मुक्ति का विरोध करने वाले जमात–ए–इस्लामी कैडरों ने भी छात्र आंदोलन का पूरा फायदा उठाया। नहीं भूलना चाहिए कि 1971 में जब बांग्लादेश का मुक्ति संग्राम लड़ा गया, तब जमात ने अपने ही लोगों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, और उनके सदस्यों को ही रजाकार कहा जाता था। यह संकेत भी मिलते हैं कि विपक्षी नेता खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने कथित तौर पर लंदन में आईएसआई के साथ मिलकर राजनीतिक फायदे के लिए छात्रों के विरोध प्रदर्शन का इस्तेमाल किया। गौरतलब है कि भ्रष्टाचार के कई आरोपों के चलते लंदन में रह रहे तारिक अब बांग्लादेश वापसी कर रहे हैं। बांग्लादेश में जो हुआ, उसमें प्रत्यक्ष तौर पर विदेशी भागीदारी साबित करना तो चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि ये देश खुलकर सामने नहीं आते। लेकिन यह स्पष्ट है कि छात्र आंदोलन ने अराजकता की जो आग भड़काई, उसमें कई विदेशी ताकतों ने अपनी रोटियां सेकी हैं। भू–राजनीतिक पेचीदगियां यह भी रेखांकित करती हैं कि शेख हसीना किस तरह दक्षिण एशिया की जटिल अंतरराष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनीति का शिकार बनीं।

एआई के ऊर्जा खपत आंकड़े चौंकाते

आदित्य

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)घ्हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन रही है। वर्चुअल असिस्टेंट से लेकर स्मार्ट होम तक हर जगह एआई है। चाहे चौट–जीपीटी जैसे एआई जनित प्लेटफॉर्म पर जटिल प्रश्नों के हल जानना हो या गूगल व एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट्स पर अपनी आवाज से कोई काम कराना हो। क्याघ्अचंभित करने वाली तकनीक के कुछ और पहलू हो सकते हैं? जो घ्पर्यावरण व मानव सभ्यता के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं?

गूगल की वार्षिक पर्यावरण रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। वर्ष 2022 के मुकाबले 2023 में गूगल के डाटा केंद्रों पर कार्बन उत्सर्जन फुटप्रिंट में तेरह प्रतिशत की वृद्धि हुईघ्है। यह वृद्धि उसके डाटा केंद्रों और आपूर्ति शृंखलाओं में बिजली की खपत बढ़ने से हुई। वर्षघ2023 में उसके डाटा केंद्रों ने पहले की तुलना में 17 फीसदीघ्अधिक बिजली का उपयोग किया। एआई टूल्स के इस्तेमाल सेघ्यह वृद्धि और बढ़ेगी। एआई का उपयोग कई क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए किया जा रहा है, जिनमें जलवायु परिवर्तन से जुड़े समाधान भी शामिल हैं। लेकिन बढ़ती एआई तकनीक ने एक भारी कार्बन उत्सर्जन फुटप्रिंट जैसी समस्या उत्पन्न कर दी है। अध्ययनों से पता चलता है कि एआई चौटबॉट चौट–जीपीटी पर पूछी गई एक साधारण जानकारी, गूगल खोज की तुलना में 10 से 33 गुना अधिक ऊर्जा का उपयोग करती है। वहीं, इमेज आधारित प्लेटफॉर्म पर इससे कहीं अधिक ऊर्जा खर्च होती है। दरअसल, एआई मॉडल सामान्य गूगल खोज की तुलना में अधिक डाटा को प्रोसेस और फिल्टर करते हैं। अधिक काम का मतलब है कि कंप्यूटर को डाटा प्रोसेसिंग, स्टोरिंग और रिट्रीविंग के समय अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी। अधिक काम करने से उत्पन्न गर्मी को कम करने के लिए डाटा केंद्रों पर अधिक शक्तिशाली एयर कंडीशनिंग और अन्य ठंडे उपाय किए जाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया रिवरसाइड के एक अध्ययन के मुताबिक साल 2022 में, गूगल ने अपने डाटा केंद्रों को ठंडा रखने के लिए लगभग 20 अरब लीटर ताजे पानी का उपयोग किया। बीते साल माइक्रोसॉफ्ट की जल खपत में पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वर्तमान में डाटा केंद्रों की खपत वैश्विक बिजली की खपत का 1 से 1.3 प्रतिशत है, मगर जैसे–जैसे एआई टूल्स का उपयोग बढ़ेगा, यह खपत भी बढ़ती जाएगी। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के अनुसार, यह आंकड़ा तीन प्रतिशत तक जा सकता है। इसके विपरीत, बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहनों के बावजूद, ई–वाहनों की वैश्विक बिजली खपत केवल 0.5 फीसदी है। वहीं, कई देशों में डाटा केंद्रों की ऊर्जा खपत उनकी राष्ट्रीय मांग की दहाई हिस्सेदारी तक पहुंच गई है। आयरलैंड जैसे देश जहां टैक्स में छूट और प्रोत्साहन के कारण डाटा केंद्रों की संख्या असामान्य रूप से अधिक है। आयरलैंड सेंट्रल स्टैटिक्स ऑफिस रिपोर्ट 2023 के अनुसार, यह हिस्सेदारी 18 प्रतिशत पहुंच गई।

भारत में भी एआई और डाटा केंद्रों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि यहां इनके ऊर्जा और जल खपत के आंकड़े अभी सीमित हैं, लेकिन एआई के बढ़ते उपयोग के साथ, यह स्थिति बदल सकती है। भारत की सिलिकॉन वैली कहा जाने वाला बंगलूरू पानी की भारी कमी से जूझ रहा है। बंगलूरू में डाटा केंद्रों की संख्या सोलह है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बंगलूरू के अलावा दिल्ली, चेन्नई और मुंबई जैसे महानगरों में भी डाटा केंद्रों में पानी की खपत बढ़ गई है। भारत में स्थापित डाटा केंद्रों की क्षमता दो हजार मेगावाट से 2029 तक 4.77 हजार मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। जिससे पहले से पानी की कमी से जूझ रहे भारत के सिलिकॉन वैली की डिजिटल महत्वाकांक्षाओं पर संकट खड़ा हो जाएगा। इस समस्या के समाधान के लिए गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां डाटा केंद्रों के शीतलन के लिए अपशिष्ट जल को पुनर्नवीनीकृत कर इस्तेमाल कर रही हैं। वहीं भारतीय डाटा केंद्र अब भी ताजे पानी की आपूर्ति पर निर्भर हैं।

डाटा केंद्रों पर पानी की खपत को लेकर अभी पर्याप्त आंकड़े सामने नहीं आए हैं। डेन मोइन्स रिवर पर एसोसिएटेड प्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के आयोवा शहर में ओपन एआई के जीपीटी–4 मॉडल को सेवा देने वाला एक डाटा केंद्र उस जिले की पानी की आपूर्ति का करीब 6 प्रतिशत उपयोग करता है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के एक अध्ययन के अनुसार, एआई के कॉरपोरेट और औद्योगिक कामों के उपयोग से 2030 तक वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में पांच से दस प्रतिशत की कमी हो सकती है, वहीं 1300 अरब से 2600 अरब डॉलर के राजस्व की भी बचत हो सकती है। इन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, हमें एआई के विकास के साथ–साथ इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों पर भी ध्यान देना चाहिए, जिससे हम एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए एआई के फायदों का लाभ उठा सकते हैं और इसके पर्यावरणीय असर को कम कर सकते हैं।

अनुच्छेद 370 को हटाया जाना

अगस्त का महीना जम्मू–कश्मीर के लिए कोई आम महीना नहीं है। पांच साल पहले, 5 अगस्त को, नरेंद्र मोदी सरकार ने एक अभूतपूर्व, विवादास्पद और एकतरफा हस्तक्षेप करते हुए, अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिया था, जो कश्मीर को कुछ विशेष प्रावधान देता था, जम्मू–कश्मीर से राज्य का दर्जा छीन लिया था, लद्दाख को उससे अलग कर दिया था, और इस क्षेत्र को एक सुरक्षा कवच में लपेट दिया था, जो सार्वजनिक अधिकारों और सुविधाओं का उल्लंघन करता था। तब केंद्र द्वारा इन उपायों को सही ठहराने के लिए दिए गए कारणों में से एक यह था कि अनुच्छेद 370 कथित तौर पर आतंकवाद को ढाल प्रदान करता थाय केंद्र ने तर्क दिया था कि इसके हटने से कश्मीर और शेष भारत के बीच अधिक एकीकरण की सुविधा भी होगी। पांच साल न केवल केंद्र सरकार की कश्मीर नीति के परिणामों को परखने का एक अच्छा समय है, बल्कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश के उपभोग के लिए उछाले जा रहे बयानबाजी का भी एक अच्छा समय है। भाजपा का नया कश्मीर का प्रचार आतंकवाद पर लगाम लगाने, अलगाववाद पर लगाम लगाने और आर्थिक विकास की शुरुआत करने के दावों पर केंद्रित हैरू भाजपा जोर देकर कहती है कि कश्मीर में पर्यटकों की आमद कश्मीर के सामान्य होने का सबूत है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। आतंकवाद को कुचलने के बजाय, ऐसा लगता है कि इसने अपना कार्यक्षेत्र जम्मू में बदल लिया है, जहां आतंकवादी हमलों में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। हालांकि, सुरक्षा बंदोबस्त के कारण खुलेआम विरोध प्रदर्शन दुर्लभ हो सकते हैं, लेकिन अलगाववाद को अभी भी खत्म किया जाना बाकी है। वास्तव में, अब्दुल रशीद शेख, जिन्हें इंजीनियर रशीद के नाम से भी जाना जाता है, जैसे उम्मीदवारों की चुनावी जीत कट्टरपंथी असंतोष की प्रकृति में एक चिंताजनक परिवर्तन को दर्शाती है। जम्मू–कश्मीर में मानवाधिकार मंच की एक हालिया रिपोर्ट में पाया गया है कि 2019 के बाद जम्मू–कश्मीर का शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद 8.73ः तक गिर गयारू अप्रैल 2015 और मार्च 2019 के बीच यह आँकड़ा 13.28ः था।

बांग्लादेश संकट का रोडमैप तैयार

बांग्लादेश में संकट से भारतीय राजनेताओं को सबक लेना चाहिए। यह इस बात का जीता जागता उदाहरण है कि तानाशाही लंबे समय तक नहीं चलती। यह हमारे नेताओं और राजनीतिक दलों के लिए एक आंख खोलने वाली बात है, जो यह दावा करते रहते हैं कि वे अगले 20 साल तक सत्ता में रहेंगे। यह इस बात का भी स्पष्ट संकेत है कि जो भी पार्टी सत्ता में है, उसे लोगों से संपर्क नहीं खोना चाहिए और सरकार के प्रदर्शन के बारे में उचित फीडबैक लेना चाहिए और इस बात पर भी नजर रखनी चाहिए कि पार्टी के कार्यकर्ता अपने मतदाताओं के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। राजनीतिक नेताओं को यह समझना चाहिए कि जब लोग अपने खिलाफ नीतियों या कानूनों से तंग आ जाते हैं, तो उनका धैर्य खत्म हो जाता है। बांग्लादेश में घटनाक्रम अभी भी विकसित हो रहा है। टिप्पणी करने में संयम बरतने का समय आ गया है। लेकिन दुर्भाग्य से सलमान खुर्शीद जैसे कुछ कांग्रेस नेताओं ने टिप्पणी की कि भारत में भी ऐसी स्थिति हो सकती है। एक जिम्मेदार राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते, जब सीमा पार की स्थिति बेहद संवेदनशील हो गई है, तो ऐसी टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। ऐसे मुद्दों पर संसद में पूरी जिम्मेदारी के साथ चर्चा होनी चाहिए, लेकिन इसका इस्तेमाल गंदगी साफ करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इस समय चर्चा बांग्लादेश संकट के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव पर होनी चाहिए। जैसे–जैसे बांग्लादेश में उथल–पुथल बढ़ती जाएगी, पश्चिम बंगाल सबसे पहले प्रभावित होने वाला राज्य होगा और उसे एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि शरणार्थियों की आमद हो सकती है जो राज्य की जनसांख्यिकीय चुनौती को खत्म करने का खतरा पैदा कर सकती है। यह शरणार्थियों के एक और संकट को जन्म दे सकता है क्योंकि पश्चिम बंगाल बांग्लादेश के साथ 2,216 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। राज्य ने शरणार्थियों की कई लहरें पश्चिम बंगाल में प्रवेश करते देखी हैं और वास्तव में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप हैं कि वह शरणार्थियों के वोटों के कारण ही अधिकांश चुनाव जीतती रही हैं। उनके आने से पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकी, राजनीति और संस्कृति बदल गई है और नई चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं। रोहिंग्या के मुद्दे पर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस हमेशा एक–दूसरे से भिड़ती रहती हैं और यह हर चुनाव के दौरान एक भावनात्मक मुद्दा बन जाता है। ऐसे कई उदाहरण हैं जहाँ बंगाली मुसलमानों ने रोहिंग्याओं को अपनी मस्जिदों में नमाज पढ़ने नहीं दिया और न ही उनसे सामाजिक रूप से बातचीत की।

भारत और चीन ने पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के प्रभुत्व को चुनौती दी

ललित

21वीं सदी की शुरुआत से ही, सबसे ज्यादा आबादी वाले एशियाई देशों में से दो, भारत और चीन ने पश्चिमी अर्थ व्यवस्थाओं के प्रभुत्व को चुनौती दी है, और सबसे तेज विकास देखा है जो अगले पाँच दशकों में भी जारी रहने की संभावना है। 1990 के दशक के दौरान, चीन और भारत क्रमशः 11वीं और 12वीं सबसे बड़ी विश्व अर्थव्यवस्थाएँ थीं, जिनकी जीडीपी समान थी। आज, चीन एक उच्च–मध्यम आय वाला देश है, जबकि भारत एक निम्न–मध्यम आय समूह की अर्थव्यवस्था है। सोवियत संघ के अस्तित्व तक, दोनों एशियाई देशों ने एक अंतर्मुखी आर्थिक नीति अपनाई। औद्योगीकरण और निर्यात द्वारा प्रेरित एशियाई टाइगर्स की विकास कहानी से सीखते हुए, 1978 में, चीन ने ओपन–डोर पॉलिसी अपनाई। इसने विदेशी कंपनियों को विनिर्माण के लिए अपने बड़े, कम और अर्ध–कुशल कार्यबल का लाभ उठाने के लिए चीन में निवेश करने के लिए आकर्षित किया। चीन के पास प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (थ्क्) को आकर्षित करने के लिए प्रभावशाली औद्योगिक सुविधाएँ भी थीं, जो अत्याधुनिक तकनीक और प्रबंधन प्रथाओं को साथ लेकर आईं, जिससे इसके विनिर्माण को बढ़ावा मिला। 1980 के दशक में चीन ने लगभग 10ः की वार्षिक दर से विकास किया, जिससे उसके 800 मिलियन नागरिक गरीबी से बाहर निकल आए। उदारीकरण हालाँकि, 1990 के दशक में विदेशी मुद्रा संकट के कारण भारत को उदारीकरण करने के लिए बाध्य होना पड़ा। उदारीकरण के बाद, भारत ने चीन और वियतनाम के बाद दुनिया की तीसरी सबसे अधिक निर्यात वृद्धि देखी। लेकिन जहाँ चीन के निर्यात में खिलौने और ट्रिंकेट जैसे कम–अंत वाले उत्पाद शामिल थे, वहीं भारत के निर्यात में अत्यधिक कुशल विनिर्माण और इंजीनियरिंग सामान और सॉफ्टवेयर जैसी सेवाएँ शामिल थीं, जिससे अंग्रेजी बोलने वाले, सुशिक्षित भारतीय अल्पसंख्यकों के लिए अवसर पैदा हुए, जबकि भारत की आबादी के बड़े हिस्से के लिए संभावनाएँ सीमित रहीं। भारत के विकास की विशेषता गैर–औद्योगिकीकरण थी। भारत की राजनीतिक स्थिरता, बुनियादी ढाँचे के विकास पर जोर और एक बड़े कार्यबल की उपलब्धता इसे एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाती है। सरकार ने 2014 में एक मजबूत विनिर्माण क्षेत्र स्थापित करने के लिए 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम शुरू किया, निवेश और विकास के बीच समय अंतराल के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का योगदान दो दशक के निचले स्तर पर है। भारत ने जो निवेश आकर्षित किया है, वह मुख्य रूप से दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, सेवाओं और खुदरा क्षेत्रों में है। निवेश की यह प्रकृति कम कुशल कार्यबल के लिए समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए माल विनिर्माण स्थापित करने की 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की महत्वाकांक्षा के अनुरूप नहीं है। आत्मनिर्भर पहल इसके बाद, भारत के 'सबका साथ–सबका विकास' (समावेशी विकास) के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने आत्मनिर्भर (आत्मनिर्भर) पहल की शुरुआत की। हालाँकि, कॉर्पोरेट भारत नौकरशाही की बाधाओं, अत्यधिक श्रम विनियमों और जटिल करों और शुल्कों से जूझता है जो भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने से रोकते हैं। 2010 में, चेन्नई के पास 15 मिलियन फोन बनाने वाली नोकिया फैक्ट्री ने 1.5 बिलियन डॉलर के कराधान विवाद के कारण 2014 में अपना संचालन बंद कर दिया। वोडाफोन और केयर्न जैसी एक दर्जन से अधिक प्रमुख कंपनियाँ भी 2014 के दौरान कर विवादों में फंस गईं, जिसके परिणामस्वरूप भारत को वियतनाम, इंडोनेशिया और मैक्सिको जैसी अर्थव्यवस्थाओं में एफडीआई खोना पड़ा। वर्तमान में, शत्रुतापूर्ण चीन प्लस वन रणनीति के साथ, भारत के पास विनिर्माण में एफडीआई आकर्षित करने का अवसर है। इसका लाभ उठाने के लिए, भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत होना चाहिए। भारत को अपने विनिर्माण को आगे बढ़ाने के लिए सेवा क्षेत्र के विकास का लाभ उठाना चाहिए। पिछले तीन दशकों में, भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने सालाना सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 15ः का योगदान दिया, व्यापारिक निर्यात ने सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 12ः का योगदान दिया, और विश्व व्यापारिक निर्यात में इसका हिस्सा 2ः से कम था। चीन की पहल इसी अवधि के दौरान, चीन के विनिर्माण क्षेत्र ने सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30ः का योगदान दिया, इसके व्यापारिक निर्यात ने इसके सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 20ः जोड़ा, और दुनिया में व्यापारिक निर्यात में इसका हिस्सा लगभग 14ः था। चीन का उच्च व्यापारिक निर्यात योगदान बुनियादी ढांचे के निवेश से संभव हुआ, जिसने इसे वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदल दिया। भारत को भी बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश और एक मजबूत नीति ढांचे की आवश्यकता है। चीन ने अपने कार्यबल को प्रभावी रूप से कुशल बनाया, लेकिन अपनी बढ़ती मजदूरी दर और वृद्ध होती आबादी के साथ, यह इतिहास का पहला ऐसा देश हो सकता है जो अमीर होने से पहले बूढ़ा हो गया। 1.7 बिलियन की आबादी वाले भारत में एक विशाल युवा कार्यबल है, जिसके 65ः नागरिक 35 वर्ष से कम आयु के हैं। भारत के पास चीन को पीछे छोड़ने और दुनिया का सबसे बड़ा देश बनने के लिए तीन दशक का समय है। बैन एंड कंपनी के अनुसार, अगले दशक में, लगभग 500 मिलियन भारतीय मध्यम–आय वर्ग में शामिल हो सकते हैं। बढ़ते मध्यम वर्ग के साथ, भारत की मांग और क्रय शक्ति बढ़ेगी। चीन की वृद्ध होती आबादी द्वारा बनाए गए अंतर को भारत द्वारा भरा जाएगा। कार्यान्वयन मायने रखता है जनसांख्यिकीय लाभांश का दोहन करने के लिए, भारत को अपने कारोबारी माहौल में सुधार करना चाहिए – कार्यबल की गुणवत्ता, बुनियादी ढाँचा और रसद। 2016 में, भारत ने बड़े पैमाने पर बैंकिंग क्षेत्र में सुधार किए और 2016 में श्रम संहिता पेश की। 9य राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और 2021 में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना। लेकिन इनका क्रियान्वयन ही भारत की विकास गाथा को आकार देगा। भारत को नौकरशाही की देरी, न्यायिक अधिभार और भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करना चाहिए। अनुबंधों को लागू करने में लगभग तीन गुना अधिक समय लेता है और सिंगापुर की तुलना में लगभग आठ गुना अधिक समय लेता है।

धूमधाम से मनाया गया नाग पंचमी का पर्व

जौनपुर। पूरे देश में नाग पंचमी का पर्व हर्षोल्लाह के साथ मनाया जा रहा है घर से लेकर मंदिरों तक विधि विधान से भगवान शिव की पूजा अर्चना किया जा रहा है जगह–जगह मंदिरों में शिवलिंग पर वह नाग देवता को लोग जलाभिषेक व दुग्ध अभिषेक कर लावा फूल चढ़ा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ नगर में बोल बम कांवरिया संघ व बोल बम दंडवत संघ द्वारा नगर भगवान शिव की भव्य शोभायात्रा नगर में निकली गई। इस दौरान शिव भक्तों द्वारा नगर की गोमती नदी के किनारे स्थित हनुमान घाट से जल भरकर जागेश्वर धाम स्थित भगवान शिव के शिवलिंग पर जला अभिषेक भारी संख्या में भक्तों द्वारा किया जाता है। बोल बम कांवरिया संघ के भक्तों द्वारा गोमती नदी के तट से होते हुए केरारारिया वीर धाम होते हुए भक्ति सड़क पर दंडवत लेट कर भगवान शिव को प्रणाम करते हुए जागेश्वर नाथ धाम पहुंचते हैं इस दौरान भक्तों के जाने के लिए पूरा सड़क मैट बिछा रहता है जिससे उन्हें कोई दिक्कत ना हो जिला प्रशासन भी इस यात्रा को लेकर चौकन्ना रहता है।भक्त सुबह से ही सड़क पर दंडवत प्रणाम करते हुए बाबा के दरबार में अपनी हाजिरी लगाते हैं ऐसी मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से बाबा जागेश्वर ध ाम पहुंचकर उन्हें जरा अभिषेक करता है उसकी मनोकामनाएं जरूर पूरी होती हैं उसमें थोड़ा समय भले ही लगता हो। इस मामले में जानकारी देते हुए बोल बम कांवरिया संघ के अध्यक्ष विमल सिंह ने बताया कि आज का कार्यक्रम बोल बम कांवरिया संग और बोल बम दंडवत संघ द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है नाग पंचमी के दिन बीते 14 ,15 वर्षों से यह साष्टांग प्रणाम दंडवत यात्रा होती है जो हनुमान घाट से गोमती माता का जल लेकर बाबा जागेश्वर नाथ मंदिर में पहुंचकर जलाअभिषेक किया जाता है इसमें भारी संख्या में महादेव के भक्त भाग लेते हैं। दंडवत लेटते हुए यात्रा कर जलाभिषेक करते हैं बाबा जागेश्वर नाथ की ऐसी मान्यता है कि जो भी व्यक्ति सच्चे मन से कोई प्रार्थना करता है उसकी जरूरत होती होती है। ऐसे में कोई व्यक्ति एक वर्ष कोई दो वर्ष कोई 5 वर्ष या कोई 7 वर्ष तक दंडवत यात्रा करता है। इस बारे में जानकारी देते हुए बाबा जागेश्वर धाम धाम के महंत अंबुजानंद महाराज ने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दंडवत यात्रा जो बीते 15 20 वर्षों से लगातार चल रहा है जिसकी शुरुआत सत्य नारायण केसरी नाम की एक भक्त द्वारा किया गया था तब से लगातार शिवसेना संस्थान द्वारा लगातार भंडारे का आयोजन चल रहा है। जागेश्वर नाथ महादेव के बारे में मान्यता है कि जो भी व्यक्ति इनको समर्पित रूप से बिना छल कपट की बिना किसी लालच के यदि आप उनकी सेवा करते हैं तो इसका आपके ऊपर कृपा जरूर होगी। इसलिए यहां पर 2 वर्ष के बालक से लेकर 50 वर्ष तक के लोग दंडवत रूप से भगवान का जलाभिषेक कर रहे हैं। यह मंदिर मुगल काल से पहले का है। जब यह बड़ी देवी का स्थान था जिसे आज बड़ी मस्जिद के नाम से जाना जाता है जिसे आज अटाला मस्जिद कहा जाता है वह अटला देवी का मंदिर है। तब से यह मंदिर है यह मंदिर लगभग 1200 वर्ष पुराना है। यह मंदिर हमेशा से सनातन धर्म के लिए जाना जाता है और यह मंदिर हमेशा से इस जनपद को दिशा दिया है। जब इस जनपद में कहीं रामनवमी का उत्सव नहीं मनाया जाता था तब यहां गणेश प्रसाद सेठ उनके दादा आदि लोगों ने रामनवमी का उत्सव मनाने का काम किया है।

12 अगस्त को प्रातः 10.00 बजे से रोजगार मेले का आयोजन – प्रज्ञा त्रिपाठी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। युवाओं–युवतियों को रोजगारध्स्वरोजगार से जोडकर आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाना तथा हर हाथ को काम सरकार की प्राथमिकताओं में है। सरकार के संकल्प पत्र में युवाओं को रोजगार पर विशेष बल दिया गया है। उक्त के क्रम में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय लखनऊ द्वारा दिनांक 12.08.2024 को प्रातः 10.00 बजे से एक रोजगार मेले का आयोजन क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, लालबाग, लखनऊ परिसर में किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें 06 कम्पनियाँ प्रतिभाग कर रही है।अतः उक्त मेले में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल **rojgaar sangam.up-gov.in** पर पंजीकृत होकर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा अपनी सी०वी० की प्रतियों एवं मूल शैक्षिक प्रमाण–पत्रों के साथ अभ्यर्थी सीधे प्रतिभाग कर सकेंगे। अभ्यर्थियों को किसी भी स्तर पर कोई शुल्क नही देना है। रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण एवं अन्य किसी असुविध ाा की स्थिति में टोल फ्री नम्बर 155330 पर सम्पर्क कर सकते है। इस मेलें में प्रतिभाग करने हेतु न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं न्यूनतम योग्यता इण्टरमीडिएट / आई०टी०आई० है। इस हेतु किसी भी प्रकार का मार्गव्यय आदि देय नहीं होगा। यह मेला पूर्णतः निःशुल्क है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर सौरभ कुमार ने बाबा विश्वनाथ जी मन्दिर में किया रुद्राभिषेक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

वाराणसी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध् यक्ष डॉक्टर सौरभ कुमार ने बताया कि आज श्रावण मास के नागपंचमी तिथि को बाबा विश्वनाथ जी कघे जलाभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान मंदिर के मुख्य अर्चक पंडित राकेश पाठक की देख रेख मे रुद्राभिषेक व अन्य अनुष्ठान सम्पन्न हुआ. हमारे साथ हमारे परिवार के कुछ सदस्य एवं अपने संगठन के वाराणसी जिला अध् यक्ष सी बी तिवारी रहे। उन्ही के प्रयास से बहुत सुगम तरीके से यह कार्य हुआ. वापस लौटते समय दोनों मुख्य आर्चक पंडित श्री कांत मिश्र व राजेश पाठक ने मुझे एक शाल व प्रसाद देकर आशीर्वाद दिया।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में हुआ बायोरेमेडिएशन विषय पर लिखी पुस्तक का विमोचन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दिनांक 8 अगस्त को माननीय कुलपति प्रो. एन. एम. पी. वर्मा द्वारा बायो रेमेडिएशनः ग्रीन सॉल्यूशन ऑफ एनवायरनमेंटल पोलूटेंट्स पर एक पुस्तक का विमोचन किया गया। यह पुस्तक विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी डायरेक्टर एवं एनवायरनमेंटल माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट के प्रो. राम चंद्रा और डॉ. क्षितिज सिंह द्वारा लिखी गयी है। पुस्तक के लेखक प्रो. राम चंद्रा और डॉ. क्षितिज सिंह ने बताया कि पुस्तक की सामग्री समाज और उद्योग दोनों के सतत विकास के लिए एक ज्वलंत विषय है। पुस्तक में बायोरिमेडिएशन की अवधारणा एवं उसके सिद्धांत, बायोडिग्रेडेशन तथा बायोरिमेडिएशन की प्रक्रिया, फाइटोरेमेडिएशन और जेनोबायोटिक्स यौगिकों के विघटन प्रक्रिया, नैनोबायोरेमेडिएशन और पर्यावरणीय प्रदूषकों के विघटन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों की समझ पर मुख्य रूप से विस्तृत में बताया गया है, जिसके औद्योगिक और पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए बायोरिमेडिएशन की बुनियादी अवधारणा और तंत्र को समझने के लिए बहुत आवश्यक है। यह किताब नई दिल्ली के इलाइट पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित की गयी है , जिसका आईएसबीएन नम्बर 978– 93– 5899–124–6 है। यह पुस्तक स्नातकोत्तर छात्रों एवं युवा शोधकर्ताओं के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए बहुत उपयोगी होगी। इसके अलावा यह पुस्तक उन छात्रों के लिए भी बहुत सहायक होगी जो विभिन प्रतियोगी परीक्षायों के लिए तैयारी कर रहे है।

सपा नेता हत्याकांड का आरोपी दीवानी न्यायालय में पेशी के दौरान पुलिस को चकमा देकर हुआ फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बहुचर्चित प्रॉपर्टी डीलर भू माफिया व सपा नेता बाला लखंदर यादव हत्याकांड का मुलजिम जयप्रकाश गायकवाड पुत्र श्री प्रकाश गायकवाड निवासी महाराष्ट्र दीवानी न्यायालय में पेशी के लिए आया हुआ था। इस दौरान पेशी से वापस लॉकअप लौटते समय भीडभाड़ का फायदा उठाते हुए पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। मुलजिम के फरार होते ही पुलिस महकमे में हड़कम्प मच गई । आनन फानन में आसपास के थानों की पुलिस को अलर्ट किया गया। लेकिन उसे पकड़ा नहीं जा सका है।विदित हो कि सपा नेता व भू माफिया की बदमाशों द्वारा 1 फरवरी 2021 की रात अज्ञात बदमाशो द्वारा लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सिटी स्टेशन पर टहलते समय गोली मारकर हत्या की गई थी। उसी समय परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मडियाहूं के ब्लॉक प्रमुख समेत तीन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। जांच पड़ताल के दौरान हत्याकांड में थाना क्षेत्र के सैदनपर गांव निवासी ओम चंद्र गुप्त, उमेश गौड़ मडियाहू थाना क्षेत्र के रामपुर नद्दी निवासी रितेश सिंह और महाराष्ट्र के जयप्रकाश गायकवाड का नाम प्रकाश में आया था। जिसे पुलिस ने 10 फरवरी 2021 को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया था ।अभी कुछ दिनों पूर्व भी एक मुलाजिम दीवानी न्यायालय में सीजेएम कोर्ट से पेशी के दौरान जाते समय फरार हो गया था। हालांकि पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था।

फरार अभियुक्त के बारे में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार शहर देवेश कुमार सिंह ने बताया कि दीवानी न्यायालय परिसर से सूचना प्राप्त हुई की पेशी पर ले गए मुलजिम जयप्रकाश गायकवाड पुत्र श्री प्रकाश गायकवाड निवासी पाटील बस्ती महाराष्ट्र जीआरपी थाना में अभियोग 6ध्21 का मुलजिम था ।जिसको पेशी के उपरांत लॉकअप की तरफ लाया जा रहा था। इसी दौरान वह भीड़ भाड़ मौके का फायदा उठाकर वह फरार हो गया। इसकी छानबीन व धर पकड़ के लिए पुलिस की कई टीम में लगा दी गई है। संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत करके विधि कार्रवाई की जाएगी।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का आयोजन प्रेक्षागृह में हुआ सपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का आयोजन कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में सम्पन हुआ। जनप्रतिनिधि यों के द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलन कर कार्यकम की शुरूआत की गयी। लखनऊ में आयोजित काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ तथा इस अवसर पर आयोजित वीरों को नमन कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को देखा गया और मा0 मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को सुना गया।

कार्यक्रम में स्वत्रंतत्रा संग्राम सेनानी हरिशचन्द्र वर्मा, शिवप्रसाद पाण्डेय, जयदेव, गजराज सिंह, भगौतीदीन तिवारी, दादाकुंज बिहारी सिंह, कामेश्वर प्रसाद, स्व0 पन्ना लाल, स्व0 कृष्णा दास, हरिगोबिन्द सिंह के परिजनों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम, मिष्ठान, देकर सम्मानित किया गया। संस्कृति विभाग के पंजीकृत गायक विवेक मिश्रा, सुश्री साध्वी सुदामा के द्वारा देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया।

बेसिक शिक्षा विभाग एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के बच्चों द्वारा प्रभात फेरी भी निकाली गयी इसके उपरान्त प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय उदपुर गेलुवा, कस्तुरबा गांधी विद्यालय करंजाकला, यू0पी0एस0 गुरैनी के बच्चों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गयी।

विधायक मड़ियाहूँ डा0 आर0के0 पटेल द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन के वीर शहीदों को याद करते हुए कहा गया कि आज की पीढ़ी को उनके आदर्शो एवं नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।

एमएलसी श्री बृजेश सिंह ''प्रिन्सु'' ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है लेकिन जब राष्टहित का विषय होता है तो राष्ट्रप्रेम सर्वोपरि होता है। भारत के क्रांतिकारियों ने देश को आजादी दिलाने हेतु विद्रोह प्रकट करने के फलस्वरूप काकोरी ट्रेन एक्शन का निर्णय लिया था। आजादी के दीवाने भारत को आजाद कराने के लिए प्रत्येक स्तर पर लड़ने के लिए तत्पर रहे और अपने प्राणो की आहुति दी जिसके फलस्वरुप आज हम खुली हवा में सांस ले रहे है। पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने अपने उद्बोद्धन में कहा कि जब भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते है तो हम वीर सपूतो के बलिदान को अवश्य याद करते है। उनके दिखाए गये रास्ते पर चलकर हम उन्हे सच्ची श्रद्धांजली दे सकते है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कहा कि वीर क्रातिकारियों और राष्ट्र नायको को याद करने की आवश्यकता है। आज हम जिस मजबूत स्थिति में है वहां तक लाने में राष्ट्रनायकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि हम हर घर तिरंगा कार्यक्रम बहुत ही हर्ष के साथ मनायेगे। उन्होने 13 से 15 अगस्त तक जनपद के प्रत्येक घरों पर बहुत ही सम्मानपूर्वक तिरंगा लहराये जाने की अपील भी की। मा0 जनप्रतिनिधिगण और जिलाधिकारी महोदय द्वारा जनपदवासियों को नागपंचमी के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई भी दी गयी।

प्रभारी पर्यटन सूचना अधिकारी सुश्री मनोकामना राय ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रीती श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर मनोरमा मौर्या, भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, पप्पु माली, रामसूरत मौर्य,पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, परियोजना निदेशक कृष्णा करूणाकर पाडेंय, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, राजू सिंह, सुरेश अस्थाना, मो0 मुस्तफा, ज्योति श्रीवास्तव, यामिनी सिंह, किरन सिंह, शैलेन्द्र सिंह, सुशील मौर्या सहित अन्य अधि कारी एवं कर्मचारीगण उपस्थिति रहे।

जिला चिकित्सालय में तैनात फिजीशियन पर महिला काउंसलर ने लगाया दुर्व्यवहार का आरोप

अयोध्या। जिला चिकित्सालय में तैनात फिजीशियन डॉक्टर प्रशांत कुमार पर कक्ष संख्या 16 में तैनात महिला काउंसलर शिखा राय ने दुर्व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगाया।इस संबंध में महिला काउंसलर शिखा राय ने बताया कि जिला चिकित्सालय में फिजीशियन पद पर तैनात डॉक्टर प्रशांत कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जानबूझकर उसकी कुर्सी पर ठोकर मारकर नीचे गिरा दिया।उसके बाद उन्होंने उसके साथ बदतमीजी भी किया।

पीड़ित महिला काउंसलर शिखा राय ने रोते हुए अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि डॉक्टर प्रशांत कुमार जब उसके कमरा नंबर 16 पर आये तो पहुंचने पर जल्दी में कुर्सी से खड़ी नहीं हो सकी।अपने को अपमानित महसूस करते हुए डॉक्टर प्रशांत राय ने उसे कडेध लिहाज में समझाने की कोशिश की।उन्होंने बताया कि वह डॉक्टर को नहीं पहचान पाई थी।वही पर बैठे डॉक्टर बृज कुमार पूर्व सीएमएस के ड्राइवर से भी डॉक्टर प्रशांत कुमार ड्राइवर को पीटने का भी आरोप लगा। इस संबंध में पीड़िता महिला काउंसलर शिखा राय ने प्रार्थना पत्र लिखकर सीएमएस डॉक्टर उत्तम कुमार को जानकारी दी। वहां पर तैनात कर्मियों की मानें तो जिला चिकित्सालय में तैनात फिजीशियन डॉ प्रशांत कुमार आये दिन किसी न किसी विवाद का कारण बने रहते हैं।

स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना (डिजी शक्ति) के तहत एसआर ग्रुप में टैब वितरण, छात्रों के चेहरे खिले

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना (डिजी शक्ति) के अंतर्गत, बक्शी का तालाब स्थित एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में 30 जुलाई से 7 अगस्त तक टैब वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के तहत एसआर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, लखनऊ के 3143 एवं एसआर मैनेजमेंट बिजनेस स्कूल के 446 छात्रों को टैब वितरित किए गए। यह सभी छात्र दृ छात्राएं भारत के उज्जवल भविष्य के लिए अपना योगदान विभिन्न कंपनियों में काम करके प्रगति का साधन बनेंगे। एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में टैब वितरण के लिए एमएलसी पवन सिंह चौहान, एसआरजीआई के वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान, वाइस चेयरपर्सन सुष्मिता सिंह एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) लखनऊ, डॉ. शुभी सिंह द्वारा सभी छात्रों को पंजीकृत किए हुए टैब का वितरण किया, वितरित किए गए सभी टैब को छात्रों के आधार कार्ड, मोबाइल नंबर व एकेटीयू रोल नंबर से लिंक किया गया है, जिससे सरकार को टैब के सही हाथों में दिए जाने का सुनिश्चित किया जा सके। छात्र एवं छात्राएं टैब प्राप्त करने के बाद अति उत्साहित थे और मुख्य धारा में शामिल होकर नई तकनीक के साथ अग्रणी बने रहने में सहयोग प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर एमएलसी पवन सिंह चौहान ने सभी छात्रों को आने वाले उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और सभी निदेशक, फैकल्टी स्टाफ व अन्य कर्मचारियों को इस टैब वितरण कार्यक्रम में सहयोग करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

बिजली विभाग में कार्यरत चौधरी धर्मेंद्र कुमार के सेवानिवृत होने पर भारतीय जाट सभा लखनऊ द्वारा किया सम्मानित

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ कैंट स्थित एमबी क्लब में आयोजित भारतीय जाट सभा के कार्यक्रम में चौधरी धर्मेंद्र कुमार सचिव को भारतीय जाट समाज द्वारा फूलों का गुलदस्ता एवं शाल ऊढाकर उक्त रंगारंग कार्यक्रम का हुआ आगाज। इंस्पेक्टर उत्तर प्रदेश पुलिस (आर आई राज भवन) कुलदीप सिंह की काव्य रचना से शुरू हुआ उनकी काव्य रचना जिससे भी मिलूं जीत लूं उसके हृदय के दामन में मेरे व्यवहार के मोती

वरिष्ठ उपाध्यक्ष चौधरी रामराज सिंह ने बधाई देते हुए सचिव महोदय को स्वस्थ रहें दीर्घायु प्राप्त हो और साथ ही पूर्व डायरेक्टर हॉर्टिकल्चर आरके तोमर जी के द्वारा बधाई दी गई इसी कड़ी में चौधरी प्रीतम सिंह ने बधाई देते हुए आपके द्वारा जो भारतीय जाट समाज के लिए बहु उपयोगी कार्यो किए हैं को याद करते हुए कहा सचिव जी का जो सौम्य व्यक्तित्व बहुत महत्वपूर्ण है। अन्य सभी वक्ताओं ने भी आपके उज्जवल भविष्य,उच्च स्वास्थ्य,दीर्घ आयु ,होने की शुभ कामना की। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित नारी शक्ति की अग्रणी कविता बालियान ने अपने विचार और अपनी शुभकामनाएं सचिव महोदय को दी। अनेक गणमान्य जनो एवं उनके परिवार जनो ने अपने–अपने शाब्दिक पुष्प गुच्छ से चौधरी धर्मेंद्र जी को नवाजा और साथ ही उनके समाज एवं अपने कार्यक्षेत्र में किए गए कार्यों की प्रशंसा की गई उक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष चौध ारी कप्तान सिंह,वरिष्ठ उपाध्याय चौध ारी रामराज सिंह एडवोकेट हाई कोर्ट एवं उपाध्यक्ष डॉक्टर आरके तोमर पूर्व (डायरेक्टर हॉर्टिकल्चर उत्तर प्रदेश) के साथ–साथ उक्त कार्यक्रम में शिक्षा, चिकित्सा ,बिजली , कृषि पुलिस , व्यवसायी के साथ–साथ अन्य विभागों में कार्यरत प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति के साथ–साथ चौधरी धर्मेंद्र सिंह डीके कंप्यूटर चौधरी वीरपाल सिंह ,चौधरी राकेश सिंह, प्रोफेसर प्रवीण सिंह? चौधरी अरुण कुमार, चौधरी संदीप बालियान ,चौध ारी संजीत फोगाट , चौधरी जयपाल सिंह चौहान, चौधरी ज्ञानेंद्र सिंह ,चौध ारी सुभाष वर्मा, चौधरी अजय सिंह ,चौधरी वीरेंद्र सिंह जाखड़ ?चौधरी रामकुमार तेवतिया, चौधरी केपी मलिक ,चौधरी राघवेंद्र सिंह इत्यादि गणमान्य व्यक्तिय उपस्थित रहे। अध यक्ष महोदय ने अपने वक्तव्य में आप सभी के आगमन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि सचिव चौधरी धर्मेंद्र कुमार की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है क्योंकि अभी तक आप अपने विभाग की जिम्मेदारी संभालते थे और समाज की जिम्मेदारी संभालते थे लेकिन आपको अपने समाज को और आगे बढ़ाना है। शैक्षिक, आर्थिक स्थित पर प्रकाश डालते हुए अध्यक्ष जी ने कहा कि अभी हम लोग अभी काफी पिछड़े हुए हैं। आर्थिक रूप से भी अभी कहीं ना कहीं कमी है इसमें बहुत ही प्रयास करने की आवश्यकता है।

महाराजा सूरजमल इंस्टीट्यूट नई दिल्ली इन सब विषयों पर बहुत बहुत ही गंभीरता पूर्वक और तेजी से कार्य भी कर रहा है। कार्यक्रम के समापन में सचिव चौधरी धर्मेंद्र कुमार ने आप सभी गणमान्य जनो की परिवार सहित उपस्थित के लिए धन्यवाद दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र के स्टार्टअप को मिली उत्तर प्रदेश सरकार की स्टार्टअप नीति के तहत मिली वित्तीय मदद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यश तिवारी, जो कि लखनऊ विश्वविद्यालय में बीबीए (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) के छात्र हैं, संस्थापक ने 2023 की शुरुआत में एक रोमांचक उद्यम की शुरुआत की है। इस स्टार्टअप का केंद्र श्हॉकरश नामक एक अत्याधुनिक तकनीकी प्लेटफॉर्म है, जो भारतीयों के शॉपिंग और यात्रा करने के तरीके को बदलने के लिए डिजाइन किया गया है। यह कंपनी एक साधारण लेकिन शक्तिशाली विचार के साथ स्थापित की गई थी – भारत में दैनिक शॉपिंग और यात्रा के तरीके को बदलने हेतु। स्टार्टअप श्हॉकरश ब्रांड नाम के तहत एक तकनीकी प्लेटफॉर्म प्रदान करता है जो किराना, भोजन और अन्य वस्तुओं के लिए यात्रा और शॉपिंग को सरल बनाता है। हॉकर स्टार्टअप, भारत व भारतीय छोटे और स्थानीय व्यवसायों के लिए विशेष तकनीकी समाधान और सुरक्षा प्रदान करता है। हॉकर का दृष्टिकोण है कि तकनीक के माध्यम से असंगठित क्षेत्र की सेवा के तरीके को क्रांतिकारी तरीके से बदलना और पर्यटन उद्योग में सहज रूप से एकीकृत करना है। शुरू में, उत्पाद का उद्देश्य सड़क विक्रेताओं और समाजों तथा अपार्टमेंट्स के निवासियों के बीच की खाई को पाटना है, जिससे असंगठित क्षेत्र को एक संगठित इकाई में बदला जा सके। कंपनी का दृष्टिकोण अपने प्रारंभिक लक्ष्यों से बहुत दूरदर्शी है। स्टार्टअप को लखनऊ विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेल से मिले विशिष्ट मार्गदर्शन के आधार पर अंतर्गत उत्पाद का ब्लूप्रिंट और प्रोटोटाइप डिजाइन विकसित कर चुका है, स्टार्टअप ने हाल ही में यूपी सरकार से एक समर्थन ग्रांट की पहली किश्त भी प्राप्त की है। अब स्टार्टअप प्रोटोटाइप डिजाइन को एक न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (डटच) में बदलने के लिए फंड की तलाश कर रहा है, ताकि एक आधिकारिक लॉन्च जल्द ही किया जा सके। आगे की योजनाओं में, स्टार्टअप अगले तीन वर्षों के भीतर पर्यटन क्षेत्र में विस्तार करने की योजना बना रहा है, जिसमें यात्रा की योजना बनाने से लेकर सभी संबंधित व्यवस्थाओं को आसान और सुव्यवस्थित अनुभव प्रदान किया जाएगा। अगले 4 से 5 वर्षों में 100 करोड़ रुपये की कंपनी बनाने का लक्ष्य रखते हुए, यश तिवारी के नेतृत्व में स्टार्टअप स्थानीय व्यवसायों और पर्यटन उद्योग पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

शहीदों के सम्मान में पीयू में निकाला गया साइकिल मार्च

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना परिसर इकाई द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर शुक्रवार को मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शहीद शिलापट पर पुष्पांजलि अर्पित कर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर शहीदों की वीरता और उनके द्वारा दिए गए बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन स्वतंत्रता के प्रति हमारे वीर क्रांतिकारियों की अटूट प्रतिबद्धता और बलिदान की प्रतीक थी। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक अहम हिस्सा है, जिसने हमें आजादी की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस महोत्सव का उद्देश्य नई पीढ़ी को उस संघर्ष की गाथा से अवगत कराना और उन्हें राष्ट्रप्रेम की भावना से प्रेरित करना है। साथ

ही साथ शहीदों की याद में एक विशेष साइकिल मार्च का भी आयोजन किया गया। साइकिल मार्च का उद्देश्य न केवल शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त करना था, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाना और स्वतंत्रता संग्राम की भावना को जीवित रखना भी था। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक विनोद सिंह ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज हम उन वीरों को नमन करते है जिन्होंने अपने जीवन को राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके सपनों को साकार करने के लिए हमें एकजुट होकर सशक्त भारत का निर्माण करना होगा। इस अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई एवं क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता में 200 से अधिक छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसके साथ ही डॉ. नितेश जायसवाल ने काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित आलेख का वाचन कर छात्र–छात्राओं को संबोधित किया। इस मौके पर भारी संख्या में छात्र छात्राएं और शिक्षक भी उपस्थित रहे।

बिहार की काजल ने आर्यभट ज्योतिष शास्त्र विशारद की विशिष्ठ उपलब्धि प्रदान की

वाराणसी। बिहार की काजल कुमारी ने अपनी प्रतिभा के द्वारा पुरे बिहार का नाम रोशन किया हैं। कल दिनांक 06. 08.24 की शाम को इन्हें ज्योतिष विज्ञान समिति वाराणसी ने आर्यभट ज्योतिष शास्त्र विशारद की विशिष्ठ उपलब्धि प्रदान की हैं । ज्योतिष के क्षेत्र में ये एक बड़ी उपलब्धि हैं ।जो कि सुश्री काजल कुमारी जी ने मात्र 20 साल की उम्र में ही हासिल किया हैं । ये बिहार के सासाराम के छोटे से गांव से हैं । और वर्तमान में बिहार की राजध ानी पटना में रहती हैं। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय ये अपने माता पिता और गुरुजनों को देती हैं। ज्योतिष शास्त्र में परांगत इन विदुषी ने ज्योतिष पर आधारित 4 पुस्तकें भी लिखीं हैं जो की अद्भुत हैं । इनकी पुस्तकों के नाम इस प्रकार हैं ज्योतिष कालपाश , ज्योतिष सिद्धांत, ज्योतिष एक अलौकिक शक्ति, ज्योतिष रहस्य इत्यादि। अभी तक इतिहास में हमने गार्गी, लोपमुद्रा ,मैत्रेयी आदि को ही पढ़ा हैं अब इतिहास के इन पन्नों में लोग इस विदुषी को भी पढ़ेंगे, जानेंगे। अपनी प्रतिभा द्वारा ये अपने साथ पुरे बिहार को विशेष पहचान दिला कर नाम रौशन कर रही हैं ।

अतरौली कोतवाली में 74 हिस्ट्रीशीटर अपराधियों ने अपराध न करने ली शपथ

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)

अतरौली में योगी सरकार के बुलडोजर और पुलिस की गोली का शिकार होने का खौफ इस कदर है कि आज कोतवाली में 74 हिस्ट्रीशीटरों ने आकर अपराध न करने और पुलिस का सहयोग करने की शपथ ली है। 74 हिस्ट्रीशीटरों ने थाने में शपथ के बाद अपना आधार कार्ड की फोटोकॉपी और मोबाइल नंबर पुलिस को उपलब्ध कराया है और साथ ही इलाके में होने वाले अपराध ा को भी पुलिस को आकर बताने की शपथ ली है और अब सभी हिस्ट्रीशीटर हर माह थाने में आकर हाजिरी भी लगाएंगे। शुक्रवार को अतरौली कोतवाली प्रभारी डीके सिंह ने सभी हिस्ट्री सीटरो को अपराध ा न करने की नसीहत दी। प्रभारी निरीक्षक डीके सिंह का कहना है कि आज थाने में आकर 74 अपराधि ायो ने शपथ ली है। कुल 124 हिस्ट्रीशीटर हैं। 10 जेल में है। 6 हिस्ट्री सीटर अस्पताल मे इलाज करा रहे हैं। बाकी 34 बुजुर्ग हैं ।इन अपराधियो के स्वयं ही शपथ लेने के बाद इलाके में होने वाले अपराध ा पर लगाम लगेगी और साथ ही अन्य नए अपराधियो पर नजर भी रख सकेंगे। पुलिस का कहना है कि यह सभी हिस्ट्रीशीटर थाने में हर हाल की पहली तारीख को आकर अपनी उपस्थिति भी दर्ज कराएंगे। शपथ के दौरान पुलिस ने हिस्ट्रीशीटरों को चेतावनी भी दी कि अगर वह किसी भी अपराध में सम्मिलित भी पाए गए तो उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाई की जाएगी।

प्रभारी निरीक्षक डीके सिंह पूर्व से ही अपनी व्यावहारिक कार्य शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पूर्व में मोहम्मदी कोतवाली का बेहतरीन जीर्णोद्धार व सौंदर्य करणकराया जिसका वहां के लोग आज भी नाम लेते हैं।

पिहानी कोतवाली, संडीला कोतवाली, शाहाबाद कोतवाली में भी प्रभारी निरीक्षक के पद पर रहकर बेदाग नौकरी कर , बेहतर पुलिसिंग से आम जनमानस में अपनी अलग पहचान बनाई। पिहानी कोतवाली की तो तस्वीर ही अपने कार्यकाल में बदल कर रख दी। आम जनमानस के सहयोग से की विकास कार्य पिहानी कोतवाली में कराये। संडीला कोतवाली में भी बेहतरीन टीन सेट ,मंदिर का जीर्णोद्धार व कैंपस का सौंदर्यीकरण कारण आदि भी कराया। इनकी कार्यकाल में अपराधियों में खखौफ रहा है। अगर घटना घटी तो दो–तीन दिन के अंदर प्रभारी निरीक्षक डीके सिंह ने खुलासा भी किया है।

अंग्रेजी सत्ता को भारत की जमीन से उखाड़ फेंकने के लिए जो अंतिम लड़ाई लड़ी गई उसे अगस्त क्रांति के नाम से जाना गया – पुष्पराज सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट स्थित क्रांति स्तंभ पर शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित किया। उक्त अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि भारत को स्वतंत्रता दिलाने के लिए तमाम छोटे–बड़े आंदोलन किए गए अंग्रेजी सत्ता को भारत की जमीन से उखाड़ फेंकने के लिए गांधी जी के नेतृत्व में जो अंतिम लड़ाई लड़ी गई थी उसे अगस्त क्रांति के नाम से जाना गया है। इस लड़ाई में गांधी जी ने श्करो या मरोश का नारा देकर अंग्रेजों को देश से भगाने के लिए पूरे भारत के युवाओं का आह्वान किया था इस आंदोलन की शुरुआत नौ अगस्त 1942 को हुई थी इसलिए इसे अगस्त क्रांति कहते हैं। साथ ही उन्होने कहा कि इस आंदोलन की शुरुआत मुंबई के एक पार्क से हुई थी जिसे अगस्त क्रांति मैदान नाम दिया गया। आजादी के इस आखिरी आंदोलन को छेड़ने की भी खास वजह थी दरअसल जब द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ तो अंग्रेजों ने भारत से उसका समर्थन मांगा था, जिसके बदले में भारत की आजादी का वादा किया था परन्तु भारत से समर्थन लेने के बाद भी जब अंग्रेजों ने भारत को स्वतंत्र करने का अपना वादा नहीं निभाया तो महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ अंतिम युद्ध का एलान कर दिया। इस एलान से ब्रिटिश सरकार में दहशत का माहौल बन गया। चार जुलाई 1942 के दिन एक प्रस्ताव पारित किया कि अगर अंग्रेज अब भारत नहीं छोड़ते हैं तो उनके खिलाफ देशव्यापी पैमाने पर नागरिक अवज्ञा आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम जो 1857 से शुरू हुआ था। 1942 आते–आते एक निर्णायक मुकाम पर पहुंच गया। आजादी के इस आंदोलन में दुनिया की सबसे बड़ी अहिंसक जनक्रांति नौ अगस्त 1942 को शुरू हुई। दरअसल, द्वितीय विश्वयुद्ध ने दुनिया का इतिहास और भूगोल बदलने का काम किया। इस दौरान भारत में सत्याग्रह चल रही थी। ब्रिटिशों को दबाव में देख आजादी के लिए सुलह करने का प्रस्ताव रखा गया। लेकिन चालाक अंग्रेजी हुकूमत ने क्रिप्स मिशन नाटक खेल दिया। उसने आंदोलन से मुसलमानों और अनुसूचित जातियों को अलग करने की साजिश रची। कुछ दिनों बाद कांग्रेस के नेताओं को अंग्रेजों की चालबाजी समझ में आने लगी। सात अगस्त को बंबई की सभा में महात्मा गांधी ने कहा कि अब हमें आजादी लड़कर ही लेनी पड़ेगी। यहीं से अगस्त क्रांति का निर्णायक आंदोलन अंग्रेजों भारत छोड़ो, करो या मरो शुरू हुआ। उक्त अवसर पर कृपाशंकर सिंह सुशील मिश्रा पीयूष गुप्ता सुरेंद्र सिंघानिया नीरज सिंह आमोद सिंह नंदलाल यादव विष्णु प्रताप सिंह जय विजय सोनकर विपिन सिंह कमलेश निषाद रोहित् सिंह के साथ तमाम भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फायर विभाग के मानक पर खड़े उतरने वाले प्रतिष्ठानों को ही मिलेगी एनओसी – एमपी सिंह

अयोध्या। जिले में अग्निशमन विभाग के मानक पर खड़े उतरने वाले प्रतिष्ठानों को ही विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया जायेगा।जांच के दौरान अगर कोई भी प्रतिष्ठान अग्निशमन विभाग द्वारा तय किए गए मानक पर खड़ा नहीं उतरता है तो संबंधित प्रतिष्ठान के संचालकों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जायेगी।यह बातें सीएफओ एमपी सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों दिल्ली स्थित बेसमेंट में संचालित एक कोचिंग में हुई दर्दनाक हादसे के चलते शासन के निर्देश पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।उसी कड़ी में जिलाधि ाकारी के निर्देश पर शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग व विकास प्राधिकरण संयुक्त रुप से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित कोचिंग,सरकारी व निजी हास्पिटल व अन्य कई प्रतिष्ठानों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।इस संबंध में सीएफओ एमपी सिंह ने बताया कि संबंधित विभाग चाहे वह कोचिंग से संबंधित हो या सरकारी व निजी हास्पिटल, कार्यालय।जब संबंधित संस्था के संचालकों द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए आनलाइन आवेदन अग्निशमन विभाग के पास आता है तो उस संस्थानों की सघनता से उनके व उनके द्वारा घटित टीमों द्वारा बारीकी से जांच पड़ताल करने के बाद ही संबंधित संचालकों को अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया जाता है। उन्होंने स्पष्ट रुप से कहा कि यदि कोई भी संस्था अग्निशमन विभाग के मानक पर खड़ा नहीं उतरता है तो उससे संबंधित संचालकों को किसी भी कीमत पर विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं जारी किया जायेगा।वही जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश कुमार आर्य, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन सहित अन्य विभागों के अधि ाकारियों ने बताया कि अग्निशमन विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के बाद ही उनका संबंधित विभाग में पंजीकृत किया जायेगा।बताते चलें कि दिल्ली के हृदयविदारक कोचिंग कांड के चलते यहां पर जिला प्रशासन द्वारा संचालित कोचिंग व अन्य सेंटरो की जांच पड़ताल टीम गठित कर की गयी।जिसके चलते अभी कुछ संस्थान चोरी छिपे चल रहे हैं और कुछ बंद हो गये है।

कटेनर की टक्कर से बाइक सवार चचेरे भाइयों की मौत, मासूम गंभीर

कानपुर देहात, संवाददाता। कानपुर देहात के मूसानगर में मुगलरोड पर गुरुवार दोपहर को अकबराबाद और नगीना मोड़ के बीच दूध प्लांट के सामने तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। दोनों युवकों के कंटेनर के पिछले टायरों में फंसकर 20 मीटर घिसटने से मौत हो गई। जबकि मासूम गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती करवाकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गैर इरादतन हत्या में पति और पत्नी को 10 साल सजा

बांदा, संवाददाता। गैर इरादतन हत्या में प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश चंद्रपाल द्वितीय की अदालत ने दंपती को दोषी पाया। इस पर 10–10 साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा पांच–पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की अदायगी न होने पर एक–एक वर्ष की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। अशोक सोनी ने शहर कोतवाली में 30 जून 2021 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने साले कार्तिक सोनी के साथ बांदा में पीतांबरी बेचने का काम करते हैं। उसका साला कार्तिक सोनी आंबेडकर नगर में अधिवक्ता विशाल साहू के मकान में किराए से रहता था। 29 जून की रात उसके साले का शव पड़ोसी रामसनेही वर्मा की छत पर पड़ा मिला था। उसे शक है कि उसके साले कार्तिक सोनी को रामसनेही व उसकी पत्नी संपत ने मार डाला है। तहरीर के आधार पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना के दौरान विवेचक भास्कर मिश्रा तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक ने साक्ष्यों के आधार पर धारा 302 को परिवर्तित कर 304ध्34 में आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से आठ गवाह पेश किए गए। अभियोजन के अधिवक्ता ने बताया कि कार्तिक को लाठी से मारपीट कर उसका गला दबाकर मारा गया है। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलील सुनने के पश्चात बुधवार को अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम चंद्रपाल द्वितीय ने अपने 31 पृष्ठ के फैसले में पति–पत्नी को दोषी पाया। इस पर दोनों को सजा सुनाई।

फायर सिलेंडर न सीसीटीवी, फिर भी वाहन फिट

बांदा, संवाददाता। जितना लापरवाह स्कूल प्रबंधन हैं, उससे कहीं ज्यादा लापरवाही संभागीय परिवहन विभाग कर रहा है। स्पेशल कैंप लगाकर वाहनों की फिटनेस कंपलीट करने का दावा जरूर किया जा रहा है, लेकिन एक भी स्कूल वाहन फिटनेस का मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं। बावजूद इसके वाहन चालकों को फिटनेस प्रमाणपत्र थमा दिया गया है। बुधवार को केन नदी रोड पर स्थित एक विद्यालय में खड़ी बसों की फिटनेस की पड़ताल की गई। पता चला कि छोटे स्कूली वाहन में न तो फायर सिलेंडर हैं और न ही सीसीटीवी। इसके साथ ही वहां खड़ी बसों की दशा भी ठीक नहीं। दो बसों में फायर सिलेंडर मिले, लेकिन उनमें धूल चढ़ी हुई थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि अरसे से इनको छुआ तक नहीं गया। तीसरी बस में फायर सिलेंडर भी नहीं था। इतना ही नहीं इन स्कूली वाहनों में सीसीटीवी कैमरा तो है ही नहीं। ऐसे में ये वाहन फिटनेस के मानक को पूरा नहीं करते हैं। इन वाहनों को फिटनेस प्रमाण पत्र दिया जाना कहां तक उचित है। हालांकि संभागीय परिवहन कार्यालय में स्कूली वाहनों की फिटनेस कंपलीट कराने के लिए कैंप लगाया जा रहा है, लेकिन चेकिंग के दौरान मानकों का ध्यान न रखते हुए फिटनेस प्रमाणपत्र दिए जा रहे हैं। अब तक 24 से अधिक स्कूल वाहनों की फिटनेस कंपलीट की गई है, लेकिन किसी में सीसीटीवी नहीं तो किसी में फायर सिलेंडर और किसी में जीपीएस डिवाइस ही नहीं लगी।

स्कूली वाहनों में नहीं मिली जीपीएस डिवाइस

स्कूली वाहनों में जीपीएस लगानी जरूरी है। स्कूली वाहन शहर के किस मोहल्ले में कहां से छात्र–छात्रा को लेने जाता है और फिर स्कूल से घर छोड़ने जाते समय किस रास्ते से जा रहा है, इससे यह पता लग जाता है।

पड़ताल में किसी भी स्कूली बस या छोटे वाहन में जीपीएस डिवाइस चालू नहीं पाई गई। ऐसे में कोई हादसा हो जाए तो ट्रैवलिंग हिस्ट्री भी पता नहीं हो पाती। हद तो यह है स्कूली वाहनों में पुलिस का नंबर भी नहीं लिखा मिला।

फर्स्ट एड बाक्स बस की फर्श पर मिला

स्कूली वाहनों के फिटनेस के नाम पर संभागीय परिवहन विभाग खानापूर्ति कर रहा है। केन पथ स्थित एक विद्यालय के वाहनों की पड़ताल के दौरान बस में लगे फर्स्ट एड बाक्स में दवाइयां तो नहीं मिलीं, अलबत्ता बाक्स जमीन पर पड़ा मिला। शायद फर्स्ट एड बाक्स में दवाइयां ही भरी नहीं गईं। घर से स्कूल और स्कूल से घर आवागमन के दौरान अगर छात्र को चोट लग जाए तो प्राथमिक उपचार मिल पाना भी संभव नहीं है। वाहनों को पूरी तरह से चेक करने के बाद ही फिटनेस प्रमाण पत्र दिया जाता है। कुछ कमी अगर होती है तो तत्काल उसे दुरुस्त कराने की हिदायत भी दी जाती है।

सीसीटीवी और जीपीआरएस सिस्टम भी अपटेड कराने के लिए वाहन चालकों को कहा गया है, सिस्टम चालू कराने के बाद उन्हें एक बार फिर से चेक किया जाएगा।

डिंपल यादव ने की एनएचआई के कार्यों से जुड़ी शिकायत

मैनपुरी, संवाददाता। मैनपुरी सांसद डिंपल यादव ने बृहस्पतिवार को संसद में किशनी से निकल रहे राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण में अनियमितता बरतने का मामला उठाया। चौड़ीकरण में कार्यदायी संस्था की धीमी रफ्तार से लोगों में आक्रोश होने की बात उन्होंने की। वहीं अन्य बिंदुओं से अवगत कराते हुए निदान कराने की मांग की। किशनी में ग्वालियर बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के दौरान कार्यदायी संस्था द्वारा नगर पंचायत का नाला तोड़ने और कार्य की धीमी रफ्तार का मामला काफी समय से चल रहा है। चेयरमैन प्रतिनिधि डैनी यादव ने मामले को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाया है। बृहस्पतिवार को लोकसभा में पीठासीन दिलीप सेंकिया के समक्ष सपा सांसद डिंपल यादव ने किशनी के हाइवे चौड़ीकरण से हुई समस्याओं को जोरदारी से उठाया। उन्होंने कहा कि किशनी नगर में एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण का कार्य करवा रहा है। चौड़ीकरण के दौरान नगर पंचायत के तीन किलोमीटर पक्के नाले को तोड़ दिया है, जिससे इसके सामने रहने वाले लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के घरों व दुकानों में पानी घुस रहा है। डिंपल यादव ने चौड़ीकरण के दौरान हैंडपंप, विद्युत पोलों को तोड़ने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने इसका निराकरण कराए जाने की मांग की। वहीं विधायक ब्रजेश कठेरिया ने बताया कि सांसद डिंपल यादव ने जनहित में किशनी क्षेत्र की समस्या को देश के सर्वोच्च सदन में उठाया है, इसके लिए किशनी की जनता उनका अभार प्रकट करती है।

फंदे से लटका मिला एमबीबीएस का छात्र

बांदा, संवाददाता। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र का शव किराए के मकान में फंदे से लटका मिला। तड़के पत्नी ने देखा तो उसके होश उड़ गए। सहपाठी के सहयोग से उसे लेकर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची। वहां डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि कर दी। उधर, छात्र के परिजनों ने पत्नी और सहपाठी छात्र पर रस्सी से गला घोंटकर हत्या का आरोप लगाया है। पिता ने कोतवाली में तहरीर भी दी है। मेरठ जिले के गंगानगर थाना क्षेत्र के रजपुरा गांव निवासी रोहन कुमार (26) शहर कोतवाली क्षेत्र के कुशवाहा नगर में किराए का मकान लेकर पत्नी पीलीभीत के विसलपुर गांव निवासी आकांक्षा (25) के साथ रहता था।

वह रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष का छात्र था। बताते हैं कि रोहन ने गुरुवार को तड़के साढ़े तीन बजे कमरे में लगे जंगले से दुपट्टे से फंदा लगा लिया। पत्नी आकांक्षा की नींद खुली तो उसे फंदे से लटका पाया। उसने रोहन के मित्र धर्मेंद्र प्रताप सिंह (एमबीबीएस प्रथम वर्ष) को फोन कर बुलाया और रोहन के परिजनों को भी जानकारी दी।

पत्नी व मित्र रोहन को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखा दिया। देर शाम यहां पहुंचे रोहन के पिता प्रवीण कुमार ने बताया कि आकांक्षा ने फोन पर सुबह बताया रोहन की डिप्रेशन की वजह से तबीय खराब है, आप लोग आ जाइये। यहां आए तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है।

विनेश के अयोग्य घोषित होने से टूटा पहलवानों का दिल, खेल मंत्रालय से की मांग

अलीगढ़, संवाददाता। पेरिस ओलंपिक में कुश्ती में स्वर्णिम चमक दिखाई दे रही थी, लेकिन पहलवान विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित होने से प्रशिक्षु पहलवानों का दिल टूट गया। पहलवानों ने मामले की निष्पक्ष जांच व भारतीय ओलंपिक संघ व खेल मंत्रालय से कठोर कदम उठाने की मांग की है। कई महीनों से कुश्ती में हो रही राजनीतिक उथल–पुथल से हमें बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। इस समय दुनिया को यह संदेश देना है कि भारतीयों में आपसी मतभेद कितना भी हो, लेकिन देश के मान, सम्मान व स्वाभिमान के लिए सब एक हैं। भारतीय ओलंपिक संघ व खेल मंत्रालय को कठोर कदम उठाना चाहिए।

पेरिस में भारतीय ओलंपिक की अध्यक्ष पीटी उषा विनेश फोगाट के मामले में खामोश क्यों रहीं। प्रतियोगिता के दौरान हम सभी तीन से चार किलो वजन घटा व बढ़ा लेते हैं। 100 ग्राम वजन से अयोग्य घोषित करना समझ से परे है। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय रेसलिंग फेडरेशन ने भारतीय पहलवानों को नहीं, बल्कि देश को चुनौती दी है। भारत सरकार को इसमें सीधा हस्तक्षेप करते हुए उचित कार्रवाई करनी चाहिए। विनेश फोगाट के साथ नाइंसाफी हुई है।

मेरी समझ में 100 ग्राम वजन एक बहाना है। असल में अंतरराष्ट्रीय रेसलिंग फेडरेशन की घिनौनी साजिश है, जिसकी जांच होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

केन और यमुना का घटने लगा जलस्तर

बांदा, संवाददाता। तीन दिनों से बाढ़ का कहर झेल रहे दर्जनों गांवों के हजारों ग्रामीणों के लिए राहत की खबर है। बुधवार को केन व यमुना दोनों नदियों के जलस्तर वृद्धि पर ब्रेक लगने के बाद दोनों का जलस्तर आहिस्ता–आहिस्ता कम होने लगा है। मंगलवार को केन व यमुना नदी के उफान पर आने से दो दर्जन से अधिक गांव पानी में घिर गए। रपटा व सड़कों में ऊपर से पानी बहने से एक दूसरे गांव का संपर्क भी टूट गया। बुधवार की सुबह से दोनों नदियों के जलस्तर वृद्धि में कमी आई है। मंगलवार को खतरे के निशान से दो मीटर ऊपर बह रही थी। केन का खतरे का निशान 104 मीटर पर है। बुधवार को यह घटकर 99.30 मीटर रह गया। यानि करीब सात मीटर जलस्तर कम हो गया। इसी प्रकार मंगलवार को यमुना नदी खतरे के निशान से महज दो मीटर नीचे थी। इसका खतरे का निशान 100 मीटर पर है, लेकिन बुधवार को यमुना ने भी सिकुड़ना शुरू कर दिया है। बुधवार की शाम यमुना का जलस्तर 97.20 मीटर पर था। यमुना 45 सेंटीमीटर घट गई। दोनों नदियों के घटने से बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों व जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

जेल के तीन कैदी एचआईवी पाजिटिव

सहारनपुर, संवाददाता। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला कारागार में सोमवार और मंगलवार को एचआईवी व टीबी जांच शिविर लगाया गया था। 312 कैदियों व बंदियों की एचआईवी–टीबी जांच हुई। मंगलवार को तीन कैदी एचआईवी संदिग्ध मिले थे, जिनके नमूने लेकर एसबीडी जिला अस्पताल भेजे गए थे। उनकी रिपोर्ट बुधवार को आ गई। जिसमें एचआईवी संक्रमण की पुष्टि हुई। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि एचआईवी पॉजिटिव कैदियों का इलाज शुरू कर दिया है। इनके परिवार वालों के नमूने लिए गए, जिनकी रिपोर्ट निगेटिव आई है।

पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़

सहारनपुर, संवाददाता। घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिस पर लूट, चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। बुध ावार सुबह थाना कुतुबशेर पुलिस हौजखेड़ी के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी गांव रामगढ़ की तरफ से बिना नंबर प्लेट की एक बाइक पर दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वे नहीं रुके और बाइक से चिलकाना की ओर भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा। कुछ दूर ही भागने की कोशिश में उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। पुलिस नजदीक आई तो दोनों व्यक्तियों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। इसमें एक बदमाश बाएं पैर में गोली लगने से घायल हो गया। एक बदमाश अंधेरे व खेतों का फायदा उठाकर भाग निकला।

पुलिस ने फरार बदमाश की तलाश के लिए कांबिंग की, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। घायल बदमाश को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। गिरफ्तार बदमाश की पहचान तस्लीम उर्फ बाबू पुत्र तहसीन निवासी चांद कॉलोनी थाना मंडी के रूप में हुई। यह बदमाश हाल ही में सरसावा क्षेत्र में महिलाओं से पर्स लूट के मामलों फरार चल रहा था। इस पर अलग–अलग थानों में लूट, चोरी, हत्या जैसे गंभीर अपराधों में कई मुकदमे दर्ज हैं।

प्रेशर कुकर फटने से तीन भोजन माताएं झुलसीं

शामली, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के शामली में आज सुबह एक हादसा हुआ। थाना भवन कस्बे की प्राइमरी पाठशाला नम्बर एक में गुरुवार को मिड डे मील बनाते समय प्रेशर कुकर फटने से तीन भोजन माता झुलस गईं। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार नगर की प्राइमरी पाठशाला नम्बर एक में भोजन माता सोमती देवी, मुनेष देवी व कविता रानी बच्चों के लिए भोजन बना रही थीं।

अचानक गैस पर रखा दाल से भरा कुकर फट गया और गर्म दाल माताओं के ऊपर जा गिरी, जिससे तीनों झुलस गई। तेज आवाज के कारण विद्यालय मे खलबली मच गई। झुलसी महिलाओं को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। विद्यालय की प्रध ाानाचार्य नीरज चौधरी अवकाश पर थीं। कार्यवाहक प्रधानाचार्य रजनी पुण्डीर ने कहा बड़ा हादसा होने से बच गया। भगवान का आशीर्वाद रहा। बच्चे भी विद्यालय मे थे। बड़ा हादसा भी हो सकता था। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी।

ऑपरेशन करते समय महिला के पेट में छूटा स्पंज

अलीगढ़, संवाददाता। अलीगढ़ महानगर के बाईपास इलाके के एक निजी अस्पताल में प्रसव के लिए महिला के ऑपरेशन के दौरान उसके पेट में स्पंज रूपी मॉप (मेडिकल उत्पाद) छोड़ दिया। शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गांधीपार्क के भांकरी अहिवासी निवासी विकास कुमार के अनुसार, पिछले दिनों प्रसव के लिए उन्होंने अपनी पत्नी को बाईपास धनीपुर इलाके के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था।

प्रसव के लिए ऑपरेशन किया, दो बेटियां हुईं। इसके बाद भी महिला के पेट में दर्द होता रहा। इस पर महिला को फिर उसी अस्पताल ले जाया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।